दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित ››› दिल्ली ››› गाजियाबाद ››› नोएडा ››› ग्रेटर नोएडा ››› हापुड़ ››› अमरोहा ››› बागपत ››› मेरठ ››› मुजफ्फर नगर ››› बिजनौर ››› मुरादाबाद ››› बुलंदशहर ››› अलीगढ़ ››› फरीदाबाद ››› गुड़गांव ››› सोनीपत

RNI-UPHIN/2009/30721

शुक्रवार 17 अक्टूबर 2025
सूर्योदय प्रात: 06:23 बजे
सूर्यास्त सांय 17: 49 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 मध्यप्रदेश सरकार के लिए गहरी नींद से जागने का समय

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 17 | अंक : 001 | गाजियाबाद, शुक्रवार 17 अक्टूबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

प्रिय मित्रों, पाठकों आज का दिन हम सभी के लिए बेहद हर्ष का विषय है। एनसीआर टुडे आज सफल प्रकाशक के 16 वर्ष पूर्ण करने के बाद 17वें वर्ष में प्रवेष कर रहा है। यह सफर आप सभी के सहयोग के बिना संभव नहीं था। हालांकि मोदी सरकार के आने के बाद देश भर के लघु एवं मझोले समाचार पत्रों के सामने कई प्रकार की चुनौतियां आ रही है। आय के साधन बेहद सीमित है।

2019 के लोकसभा चुनाव और उनके परिणाम के बाद मीडिया के एक बड़े वर्ग में परिवर्तन आया है। इसके परिणाम स्वरूप प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया के अलावा भारत में एक नए मीडिया 'गोदी मीडिया' का उदय हुआ। इसके पीछे का कारण केवल मीडिया संस्थान, और संगठन नहीं है। इसका मुख्य कारक केंद्र सरकार, नरेंद्र मोदी की मंशा और उनकी नीतियां है। 2017 के बाद मोदी सरकार के द्वारा भारतीय प्रेस और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के लिए ऐसी नीतियां बनाई गई, जिनसे बड़े समाचार पत्र घरानों को नियंत्रित किया जाने लगा। यह सरकार की नीतियों का ही परिणाम है कि विगत 10 वर्ष में कोई नया प्रेस अथवा मीडिया संस्थान देश में नहीं उभरा है। इन वर्षो में बहुत से मीडिया संस्थान बंद जरूर हुए है।

देश के लघु और मझोले समाचार पत्रों का तो जैसे मोदी सरकार ने गला ही घोट दिया। इसके बावजूद एनसीआर टुडे घटते संसाधनों के साथ लगातार आपके सभी के बीच बना हुआ है। विगत वर्षों में हमारे बहुत से साथ बिछड़ गए। ईश्वर की ऐसी ही ईच्छा थी। कुछ साथी आज भी साथ खड़े हैं, ईश्वर से कामना है कि वह पूर्ण रूप से स्वस्थ्य रहे एवं सुरक्षित रहे...। आने वाला दौर और जोखिम भरा रहने वाला है। स्वयं को इसके लिए तैयार रखें।

सरकार 'खुद ही खाएगें और किसी को नहीं खाने देंगे' की मंशा के तहत सरकारी नीतियां बना रही है और सिस्टम इसी के लिए काम कर रहा है। हालांकि सरकार 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' की बात करती है, लेकिन यह रैलियों में दिया जाने वाला कोरा भाषण ही साबित हो रहा है। सरकार की कार्यप्रणाली के अनुसार 'साथ बड़े ओद्योगिक घरानों का, विकास केवल भाजपा और भाजपा से जुड़े नेताओं का और विश्वास देश की अफरशाही का' दिखाई देता है। आंकड़ो पर गौर किया जाए तो देश की अदालतों में सरकार के खिलाफ दायर होने वाले मुकदमों में बेतहाशा बढ़ौतरी हुई है। इसके परिणाम स्वरूप सुप्रीम कोर्ट तक में आम आदमी से जुड़े मामलों की सुनवाई सालों तक नहीं हो पा रही है। सरकार से जुड़े कुछ संस्थाएं और सरकार समर्थिम वकील PIL के नाम पर अदालतों को उलझा कर रखने का काम करते है। सरकारी अधिकारियों लक्ष्य समस्या का समाधान नहीं, निपटाना भर रहा गया है।

सभी पाठकों और सहयोगियों का आभार (संपादक)

तेल आयात पर ट्रम्प के बयान से देश-विदेश में हलचल

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस ताजा टिप्पणी से देश विदेश में राजनीतिक व राजनयिक हलकों में एक बड़ी हलचल पैदा हो गयी है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें रूस से तेल की खरीद बंद करने का आश्वासन दिया है और यह काम जल्द हो सकता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति के वाशिंगटन में पत्रकारों के साथ बातचीत में दिये गये बयान को कुछ हलकों में भारत की ईंधन सुरक्षा नीति को प्रभावित करने का श्रेय लेने की अमेरिकी प्रशासन की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। श्री ट्रम्प ने कहा, ''मुझे अच्छा नहीं लगता था कि भारत (रूस से) तेल खरीद रहा था।.. और उन्होंने (मोदी) आज मुझे आश्वासन दिया कि वे रूस से तेल नहीं खरीदेंगे। यह एक बड़ी रोक है।' श्री ट्रम्प के इस दावे पर तत्काल विभिन्न हलकों से तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं आनी शुरू हो गयीं।

नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर अपनी ऊर्जा नीति तय करने का संप्रभु अधिकार रखता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक बयान में कहा कि भारत तेल और गैस का एक बड़ा आयातक है और अति अस्थिर वैश्विक तेल बाजार में भारतीय उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना 'लगातार देश की प्राथमिकता' रही है।

विदेश मंत्रालय ने ज़ोर दिया कि देश की तेल आयात नीति इन दोहरे लक्ष्यों से प्रेरित है कि तेल-गैस की कीमतों में स्थिरता रहे और आपूर्ति सुरक्षित रहे। आयात के स्रोतों का विविधीकरण और उनकी व्यापकता इस नीति के प्रमुख शतम्भ हैं।

मंत्रालय का कहना है कि भारत का यही व्यावहारिक रुख है कि देश पिछले एक दशक से भू-राजनीतिक वाश्तविकताओं को संतुलित करते हुए, अमेरिका सहित कई साझेदारों से तेल खरीदने के विकल्पों का विश्तार करने का प्रयास करता रहा है । भारत के साथ ऊर्जा सहयोग बढ़ाने की अमेरिका की वर्तमान सरकार की इच्छा भविष्य में ऐसे सहयोग के लिए शुभ संकेत है। यह भारत की संप्रभुता के प्रति सम्मान दर्शाता है।

ट्रम्प के बयान पर रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव ने प्रतिक्रिया देते हुए रुस से तेल खरीदने में भारतीय अर्थव्यवस्था को होने वाले लाभों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि रूस सरकार अमेरिका के साथ भारत के द्विपक्षीय निर्णयों में कोई हश्तक्षेप नहीं करेगी। श्री अलीपोव ने कहा, 'भारत और अमेरिका अपने निर्णय करने को स्वतंत्र हैं।' उन्होंने साथ में दोहराया कि रूस ऊर्जा के क्षेत्र में भारत के साथ अपनी दीर्घकालिक साझेदारी को लेकर प्रतिबद्ध है। इस बीच भारत की घरेलू राजनीति के मोर्चे पर विपक्षी दलों ने ट्रम्प की टिप्पणियों को आधार बना कर मोदी सरकार पर निशाना साधना और विदेश नीति के संचालन के सरकार के तरीकों की आलोचना की।

लोक सभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी पर आरोप लगाया वह अमेरिकी राष्ट्रपति के अधीन हो गये हैं।

निशिकांत दुबे की पत्नी की आय में हुई बेतहाशा बढोतरी स्पष्टीकरण दे सरकार : कांग्रेस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा गृहमंत्री अमित शाह के करीबी सांसद निशिकांत दुबे के सांसद बनने बाद उनकी पत्नी की आय में बेतहाशा बढ़ोतरी हुयी है और इस बारे में देश को स्पष्टीकरण दिया जाना चाहिए।

पार्टी ने कहा है कि श्री दुबे 2009 में पहली बार लोकसभा के लिए चुने गये तो उनकी पत्नी अनामिका गौतम की आय महज 50 लाख रुपए थी और अचल संपत्ति कुछ भी नहीं थी। उनकी संपत्ति आज 32 करोड़ रुपए की हो गयी है जबकि उनकी आय और अर्जित संपत्ति के बीच कोई तालमेल नहीं है।

पार्टी ने कहा है कि" न खाने दूंगा, न खाऊंगा" का भाषण देने वाले श्री मोदी के वादों की आज उन्हीं के सांसद धज्जियां उड़ा रहे हैं और इस बारे में कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया जा रहा है। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने गुरुवार को पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि निशिकांत दुबे ने 2009, 2014, 2019, 2024 में लोकसभा का चुनाव लड़ा और उन्होंने चुनाव आयोग को शपथ पत्र में अनामिका गौतम की जो आय दिखाई है। उसमें बेतहाशा बढोतरी हुई है। श्री दुबे की पत्नी ने जो शपथ पत्र 2009 में दिया था उसमें वह 50 लाख की संपत्ति की मालकिन थीं लेकिन 2014 में वह एक करोड़ तीन लाख रुपए की मालकिन बन गई और अचल संपत्ति भी पांच करोड रुपए से ज्यादा हो गयी जबकि पहले चुनाव में कोई भी अचल संपत्ति नहीं थी।

श्रीशैलम में होना मेरे लिए आनंद की बात, पवित्र स्थल के हर हिस्से में है दिव्यता : प्रधानमंत्री

✷ वेबवार्ता. श्रीशैलम ✷

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आंध्र प्रदेश के श्रीशैलम में स्थित श्री शिवाजी ध्यान मंदिर और श्री शिवाजी दरबार हॉल का दौरा किया। उन्होंने भगवान मल्लिकार्जुन स्वामी और देवी भ्रामरांबिका के दर्शन किए। पीएम मोदी ने कहा कि श्रीशैलम में होना अत्यंत आनंद की बात है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि महान छत्रपति शिवाजी महाराज वर्ष 1677 में श्रीशैलम आए थे और यहां श्री मल्लिकार्जुन मंदिर में प्रार्थना की थी। उन्होंने कहा कि "ध्यान मंदिर वह स्थान है, जहां शिवाजी महाराज ने ध्यान किया था और भ्रामराम्बा देवी से आशीर्वाद प्राप्त किया था।"

बता दें कि ध्यान मंदिर के चारों कोनों पर चार प्रतिष्ठित किलों (प्रतापगढ़, राजगढ़, रायगढ़ और शिवनेरी) के मॉडल स्थापित हैं। इसके केंद्र में छत्रपति शिवाजी महाराज की गहन ध्यान मुद्रा में एक प्रतिमा है। यह केंद्र श्री शिवाजी स्मारक समिति की ओर से संचालित है।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "श्रीशैलम में होना आनंद की बात है। इस पवित्र स्थान के हर कण में दिव्यता व्याप्त है। मैं यहां के लोगों के गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए उनका आभारी हूं। श्री भ्रामराम्बिका देवी और मल्लिकार्जुन स्वामी सदैव हमारे राष्ट्र पर कृपा बनाए रखें।" श्री भ्रामराम्बा और मल्लिकार्जुन स्वामी वरला देवस्थानम 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक और 52 शक्तिपीठों में से एक है। इस मंदिर की अनूठी विशेषता एक ही मंदिर परिसर में एक ज्योतिर्लिंग और एक शक्तिपीठ का सह-अश्तित्व है, जो इसे पूरे देश में अपनी तरह का एक अनूठा मंदिर बनाता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने आंध्र प्रदेश के कुरनूल में आयोजित कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया। उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि 2047 में आजादी के जब 100 साल होंगे, तब 'विकसित भारत' होकर रहेगा। मैं विश्वास से कहता हूं कि 21वीं सदी हिंदुश्तान की होने वाली है। 21वीं सदी 140 करोड़ हिंदुश्तानियों की सदी होने वाली है। उन्होंने कहा, "आज दुनिया भारत को 21वीं सदी के नए मैन्युफैक्चरिंग सेंटर के रूप में देख रही है। इस सफलता का सबसे बड़ा आधार आत्मनिर्भर भारत का विजन है।

हमारा आंध्र प्रदेश आत्मनिर्भर भारत का प्रमुख केंद्र बन रहा है। हमारी सरकार का विजन नागरिक-केंद्रित विकास है।

श्रीशैलम में होना मेरे लिए आनंद की बात, पवित्र स्थल के हर हिस्से में है दिव्यता : प्रधानमंत्री मोदी

✷ वेबवार्ता. श्रीशैलम ✷। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आंध्र प्रदेश के श्रीशैलम में स्थित श्री शिवाजी ध्यान मंदिर और श्री शिवाजी दरबार हॉल का दौरा किया। उन्होंने भगवान मल्लिकार्जुन स्वामी और देवी भ्रामरांबिका के दर्शन किए। पीएम मोदी ने कहा कि श्रीशैलम में होना अत्यंत आनंद की बात है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि महान छत्रपति शिवाजी महाराज वर्ष 1677 में श्रीशैलम आए थे और यहां श्री मल्लिकार्जुन मंदिर में प्रार्थना की थी। उन्होंने कहा कि "ध्यान मंदिर वह स्थान है, जहां शिवाजी महाराज ने ध्यान किया था और भ्रामराम्बा देवी से आशीर्वाद प्राप्त किया था।" बता दें कि ध्यान मंदिर के चारों कोनों पर चार प्रतिष्ठित किलों (प्रतापगढ़, राजगढ़, रायगढ़ और शिवनेरी) के मॉडल स्थापित हैं। इसके केंद्र में छत्रपति शिवाजी महाराज की गहन ध्यान मुद्रा में एक प्रतिमा है। यह केंद्र श्री शिवाजी स्मारक समिति की ओर से संचालित है।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रिलायंस पावर के सीएफओ अशोक कुमार पाल को न्यायिक हिरासत में भेजा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। दिल्ली की एक अदालत ने अनिल अंबानी के नेतृत्व वाले रिलायंस समूह के वरिष्ठ अधिकारी और रिलायंस पावर लिमिटेड के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) अशोक कुमार पाल को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा की जा रही मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के सिलसिले में न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। उद्योगपति अंबानी के करीबी सहयोगी पाल को एडीए समूह से जुड़ी फर्जी बैंक गारंटी मामले में ईडी ने गिरफ्तार किया था। हिरासत में लिए जाने के तुरंत बाद उन्होंने अपने पद से इश्तीफा दे दिया। एडीए मामले में यस बैंक और एडीए समूह की कंपनियों पर वित्तीय घोटाले के आरोप हैं, जिसकी कमान पहले अनिल अंबानी के हाथ में थी। ईडी ने आरोप लगाया था कि अनिल अंबानी और उनके रिलायंस समूह की संस्थाएं 17,000 करोड़ रुपए के अधिक की लोन धोखाधड़ी मामले में शामिल थीं। ईडी केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई), एक प्राथमिकी के आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत संभावित उल्लंघनों की जांच कर रहा है। सरकारी जांच एजेंसी संदेह है कि 2017 और 2019 के बीच यस बैंक द्वारा वितरित लगभग 3,000 करोड़ रुपए के लोन का दुरुपयोग किया गया था।

हर बच्चे की सुरक्षा और हर समुदाय में सद्भावना शांति अभियानों का लक्ष्य होना चाहिए : मुर्मु

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शांति अभियानों में शामिल देशों से कहा है कि शांति संरक्षक के रूप में उन्हें ऐसे विश्व का निर्माण करना चाहिए जहां हर बच्चा सुरक्षित हो, हर समुदाय सद्भावना से भरा हों और संघर्ष इतिहास के पन्नों में सिमट कर रह जाएं।

संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में योगदान देने वाले देशों के सैन्य प्रमुखों के यहां आयोजित सम्मेलन में भाग लेने वाले सेना प्रमुखों और उप-प्रमुखों ने गुरूवार को यहां राष्ट्रपति भवन में श्रीमती मुर्मु से मुलाकात की। राष्ट्रपति ने उन्हें संबोधित करते हुए कहा कि वे अपने देशों के सर्वोत्तम मूल्यों और लोकाचार के गौरवशाली प्रतिनिधि हैं जो स्थायी शांति और समृद्धि के प्रति अपने राष्ट्रों के अनुभव, विशेषज्ञता और संकल्प का भंडार साथ लाए हैं।

उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षक विश्व में 71 विभिन्न अभियानों में तैनात किए गए हैं। इन शांति अभियानों का उद्देश्य निर्दोष व्यक्तियों खासतौर पर महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की पीड़ा दूर करना है। उन्होंने कहा कि दुनिया के सुदूर और दूर-दराज के स्थानों पर तैनात संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षकों ने इस कार्य के दौरान अनुकरणीय साहस और करुणा प्रदर्शित की है।

राष्ट्रपति ने कहा कि सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के रूप में भारत बहुपक्षवाद और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों के दृढ़ता से पालन में विश्वास

रखता है। संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षकों की स्थापना के बाद से ही भारत को निरंतर शांति रक्षकों के योगदान देने का गर्व है। उन्होंने कहा कि हमारे शांति रक्षकों ने दुनिया भर के कुछ सबसे चुनौतीपूर्ण अभियानों में विशिष्ट भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि शांति स्थापना के प्रयासों में भारत ने लैंगिक समावेशन में भी सराहनीय प्रगति की है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि महिला शांतिरक्षकों ने स्थानीय समुदायों के बीच विश्वास बढ़ाया है और उन्हें सशक्त बनाया है। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि शांति स्थापना के बड़े कार्य में वीर महिलाओं और पुरुषों का योगदान देने वाले राष्ट्रों के रूप में, हमें सामूहिक तौर पर ऐसा ढांचे विकसित करने का प्रयास करना चाहिए जो सैन्य योगदानकर्ता देशों की आवाज और मजबूत करें।

उपभोक्ताओं के हितों को ध्यान में रखकर ऑयल-गैस आयात पर निर्णय लेगा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

भारत ने स्पष्ट किया है कि उतार-चढ़ाव भरे एनर्जी मार्केट में देश तेल और गैस आयात पर फैसला उपभोक्ताओं के हितों को ध्यान में रखकर ही लेगा। यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान के कुछ घंटों बाद जारी किया गया जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें आश्वासन दिया है कि भारत रूसी कच्चे तेल की खरीद कम करेगा।

विदेश मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, "भारत तेल और गैस का एक महत्वपूर्ण आयातक है। उतार-चढ़ाव भरे एनर्जी मार्केट में भारतीय उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना हमारी निरंतर प्राथमिकता रही है। हमारी आयात नीतियां पूरी तरह इसी उद्देश्य से निर्देशित होती हैं। स्थिर ऊर्जा मूल्य और सुरक्षित आपूर्ति सुनिश्चित करना हमारी ऊर्जा नीति के दोहरे लक्ष्य रहे हैं। इसमें हमारी ऊर्जा स्रोतों का व्यापक आधार बनाना और बाजार की स्थितियों के अनुरूप विविधीकरण करना शामिल है।" बयान में आगे कहा गया, "जहां तक अमेरिका का सवाल है, हम कई वर्षों से अपनी ऊर्जा खरीद का विश्तार करने की कोशिश कर रहे हैं। पिछले दशक में इसमें लगातार प्रगति हुई है। वर्तमान प्रशासन ने भारत के साथ ऊर्जा सहयोग को गहरा करने में रुचि दिखाई है।

बिहार : एसआईआर से जुड़ी याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टली, चुनाव आयोग और प्रशांत भूषण में हुई तीखी बहस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को बिहार में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई 4 नवंबर तक के लिए स्थगित कर दी। इस दौरान अदालत में चुनाव आयोग और एडीआर (एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स) के वकील प्रशांत भूषण के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई।

सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग की ओर से वकील राकेश द्विवेदी ने प्रशांत भूषण पर आरोप लगाते हुए कहा कि वे अदालत को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं और दश्तावेजों में हेराफेरी और गलत बयानों का सहारा ले रहे हैं। प्रशांत भूषण ने इसका जवाब देते हुए कहा कि उन्होंने जो नाम अदालत में प्रश्तुत किए थे, वे ड्राफ्ट मतदाता सूची में मौजूद थे। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने मतदाता सूची से 65 लाख नाम हटाने के बाद भी कई नए नाम गुपचुप तरीके से डिलीट किए हैं, लेकिन अब तक इन नामों का पूरा ब्योरा और कारणों सहित सूची सार्वजनिक नहीं की गई है।

प्रशांत भूषण ने अदालत से मांग की कि आयोग को हर उस नाम की विश्तृत जानकारी देनी चाहिए, जिसका नाम सूची से हटाया गया है और उसका कारण बताना चाहिए। यह सूची वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से अपलोड की जानी चाहिए।

इस पर चुनाव आयोग की ओर से वकील राकेश द्विवेदी ने कहा, "अभी अंतिम सूची जारी करने की प्रक्रिया चल रही है। पहले चरण के चुनाव के लिए नामांकन की अंतिम तारीख 17 अक्टूबर है और दूसरे चरण के लिए 20 अक्टूबर। इसलिए मतदाता सूची को इन तारीखों तक फ्रीज किया जाएगा।" राकेश द्विवेदी ने कहा कि आयोग अपनी जिम्मेदारी निभा रहा है और अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। उन्होंने सवाल उठाया कि जब आयोग खुद यह प्रक्रिया कर रहा है तो याचिकाकर्ता न्यायालय से ऐसा निर्देश क्यों मांग रहे हैं?

इस पर जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा, "हमें कोई संदेह नहीं कि चुनाव आयोग अपनी जिम्मेदारी निभाएगा। नाम जोड़ने और हटाने के बाद सूची प्रकाशित करना उसकी संवैधानिक बाध्यता है। यह मामला अभी बंद नहीं हुआ है।"

अदालत ने चुनाव आयोग के वकील से कहा कि उसका जवाबी हलफनामा याचिकाकर्ता प्रशांत भूषण को सौंपा जाए और भूषण को आदेश दिया कि वे 10 दिनों के भीतर अपना प्रत्युत्तर दाखिल करें।

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र की अंतिम मतदाता सूची सभी राजनीतिक दलों और मतदान एजेंटों को उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

वैष्णव ने 65 छोटे एवं मध्यम स्टेशनों पर नये प्लेटफॉर्म एवं एकीकृत यात्री सूचना प्रणाली का किया लोकार्पण

वेबवार्ता. जयपुर

केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को जयपुर में उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा यात्री सुविधाओं के विश्तार के लिए 65 छोटे एवं मध्यम स्टेशनों पर नये प्लेटफॉर्म, प्लेटफॉर्म उन्नयन एवं विश्तार तथा एकीकृत यात्री सूचना प्रणाली का लोकार्पण किया और जयपुर-असारवा एक्सप्रेस में वातानुकूलित श्रेणी के यात्रियों के लिए प्रिंटेड कंबल कवर की शुरूआत की।

इस अवसर पर जयपुर के खातीपुरा रेलवे स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में श्री वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रेलवे क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास हो रहा है और रेलवे क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री की दूरदर्शिता और मार्गदर्शन के कारण ही रेलवे क्षेत्र में इतने बड़े परिवर्तन संभव हो पाए हैं। प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी हमेशा ऐसी तकनीक को लाने पर बल देते है जिससे यात्रियों व आम लोगो को सुविधा मिल सके।

उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर प्रायोगिक तौर पर प्रिंटेड कंबल कवर की शुरूआत की गई। इससे वोकल फॉर लोकल को ध्यान में रखते हुए स्थानीय प्रिंट के कंबल कवर का उपयोग किया जा रहा है ताकि स्थानीय श्तर पर लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि उत्तर पश्चिम रेलवे के 65 छोटे एवं मध्यम स्टेशनों पर नए प्लेटफॉर्म, प्लेटफॉर्म उन्नयन एवं विश्तार तथा एकीकृत यात्री सूचना प्रणाली की सुविधाओं का लोकार्पण किया जा रहा है।

समुद्र में साइबर अटैक से बचने के लिए नौसेना प्रमुख ने दिए दो अहम सुझाव

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने समुद्री साइबर हमलों के प्रति सचेत करते हुए कहा कि डिजिटल क्रांति जहां एक ओर अभूतपूर्व दक्षता ला रही है, वहीं यह नई कमजोरियां भी उत्पन्न कर रही है। उन्होंने कहा, "जहां इंटरनेट ऑफ थिंग्स प्रगति का प्रतीक है, वहीं हर वश्तु के हथियारीकरण के जोखिम की परिभाषा भी बन चुकी है।"

उन्होंने कहा कि ये हमले केवल सिस्टम पर नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की धमनियों पर प्रहार हैं। समुद्री क्षेत्र में किसी बड़े पोर्ट या जहाज पर साइबर व्यवधान के प्रभाव सीमाओं से परे जाकर पूरी आपूर्ति श्रृंखला, वैश्विक बाजारों और राजनयिक समीकरणों को प्रभावित कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि भारत जैसे विशाल समुद्री राष्ट्र, जिसके पास 12 प्रमुख बंदरगाह, 200 से अधिक गैर-प्रमुख पोर्ट्स और 11,000 किमी लंबी तटरेखा है, ऐसे में साइबर खतरों के परिणाम अत्यंत गंभीर हो सकते हैं।

उन्होंने एक वैश्विक उदाहरण देते हुए कहा कि 2021 में स्वेज नहर की छह दिन की बाधा ने हर दिन लगभग 10 अरब डॉलर के व्यापार को रोक दिया था। कल्पना कीजिए यदि ऐसी स्थिति एक अटके जहाज से नहीं, बल्कि एक साइबर कोड से उत्पन्न हो। उन्होंने बताया कि नवंबर 2023 में ऑस्ट्रेलिया की डीपी वर्ल्ड पर हुए साइबर हमले से देश के लगभग 40 प्रतिशत कंटेनर व्यापार पर असर पड़ा।

इसी प्रकार 2024 की मैरीटाइम साइबर सिक्योरिटी रिपोर्ट के अनुसार विश्वभर में 50 अरब से अधिक फायरवॉल घटनाएं दर्ज की गईं, 1800 जहाज साइबर हमलों का शिकार हुए और 178 रैनसमवेयर घटनाओं में प्रति घटना औसतन आधा मिलियन डॉलर का नुकसान हुआ।

नौसेना प्रमुख ने गुरुवार को नई दिल्ली में 'समुद्री क्षेत्र पर साइबर हमलों का प्रभाव तथा राष्ट्रीय सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर उसके परिणाम' विषय पर आयोजित सम्मेलन को संबोधित किया।

8 नए मरीजों में डेंगू की पुष्टि, 492 पहुंचा आंकड़ा

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷। जिले में बृहस्पतिवार को डेंगू के 8 नए मामले आए हैं। अब कुल मरीजों की संख्या 492 पहुंच गई है। नए मिले मरीजों के घर व आसपास के क्षेत्र में एंटी लार्वा दवा का छिड़काव कराया जा रहा है। इन अधिकतर मरीजों की जांच जिला अस्पताल में हुई है। मलेरिया अधिकारी श्रुति कीर्ति वर्मा ने बताया कि जिस क्षेत्र से ज्यादा मरीज आ रहे हैं वहां विशेष नजर रखी जा रही है। लगातार विभाग की ओर से निरीक्षण और फॉगिंग का अभियान चलाया जा रहा है।

ट्रक का टायर बदल रहे परिचालक को मारी टक्कर

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷। दादरी के बिसाहड़ा अंडरपास के ऊपर दादरी बाइपास पर ट्रक का टायर फट गया। टायर बदलने के दौरान कैंटर ने परिचालक को टक्कर मार दी। परिचालक गंभीर रूप से घायल हो गया। प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार ने बताया कि छपरौला गांव के समीप राम वाटिका कॉलोनी में सुनील कुमार परिवार के साथ रहते हैं। उनके ट्रक पर अभिजीत कुमार परिचालक है। 4 अक्टूबर को बिसाहड़ा अंडरपास के ऊपर ट्रक का टायर फट गया। ट्रक के टायर को परिचालक अभिजीत कुमार बदल रहे थे। इस दौरान गाजियाबाद की तरफ से आ रहे कैंटर ने टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल का दिल्ली के ट्रामा सेंटर में इलाज चल रहा है। ट्रक मालिक सुनील कुमार ने दो सप्ताह बाद चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

अवैध पटाखे बेचने वाले अलग अलग तीन लोग गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷। कोतवाली फेज-2 पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से अवैध पटाखे बेचने वाले तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से भारी मात्रा में पटाखे बरामद किए गए हैं। पुलिस ने तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। सेंट्रल जोन की एडीसीपी शैव्या गोयल का कहना है कि कमिश्नरेट पुलिस अवैध पटाखे बेचने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी दौरान कोतवाली फेज टू पुलिस ने तीन लोगों को पकड़ा है। पुलिस ने चेकिंग के दौरान सेक्टर 81 पाकेट सात से अरूण कुमार तिवारी को दबोचा। उसके पास से 23 प्रकार के अवैध पटाखे बरामद किए। उधर, फेज दो थाना पुलिस ने नगला चरण दस गांव से तरैची गांव के राजू सिंह को अवैध रूप से पटाखे बेचते हुए पकड़ा। उससे भारी मात्रा में अवैध पटाखे बरामद हुए। वहीं फेज दो थाना पुलिस ने मक्की मस्जिद के पास से पटाखे बेचते हुए एक व्यक्ति को पकड़ा। उसकी पहचान भंगेल गांव के रिकंल गोला के रूप में हुई। उससे 12 प्रकार के अवैध पटाखे बरामद हुए।

रेलवे लाइन की केबल चोरी में दो आरोपी गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷। दादरी में स्थित दिल्ली-हावड़ा रेल मार्ग पर अजायबपुर और दादरी रेलवे स्टेशन के बीच एल एस सी ब्लॉक हट का ताला तोड़कर चोरी की गई केबल बरामद कर ली है। पुलिस ने दो आरोपी गिरफ्तार किये हैं। आरपीएफ प्रभारी निदेशक जितेंद्र कुमार ने बताया कि 15 अक्टूबर की रात्रि में हट का ताला तोड़कर केबल चोरी कर ली गई। चोरी की घटना की सूचना मिलने पर आरपीएफ पहुंच गई। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर चोरों की तलाश में लग गई। घटनास्थल से करीब एक किलोमीटर दूरी से पुलिस ने अलीगढ़ के धनीपुर मंडी निवासी अर्जुन व एक बाल अपचारी को पकड़ लिया।

ट्रक की टक्कर से ट्रैक्टर सवार युवक की मौत

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷। सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र में 130 मीटर रोड पर वेटलैंड कट के पास एक ट्रक ने ट्रैक्टर में टक्कर मार दी। हादसे में ट्रैक्टर सवार घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसकी मौत हो गई। मृतक के पिता ने ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज कराया है। अलीगढ़ के नंगला तुरवाली गांव निवासी शिशुपाल ने मामला दर्ज कराया है कि उसका बेटा जय प्रकाश और भाई रामबाबू किसी काम से सूरजपुर आए थे। 14 अक्तूबर की सुबह करीब 5 बजे ट्रैक्टर से वापस लौट रहे थे। जब ट्रैक्टर सूरजपुर वेटलैंड कट के पास पहुंचा तो पीछे से एक तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में बेटा ट्रैक्टर से उछलकर नीचे गिर गया। गंभीर अवस्था में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसकी मौत हो गई। अंतिम संस्कार करने के बाद अब एफआईआर दर्ज कराई है।

यात्रियों को मिलेगी बड़ी राहत

ओल्ड गुरुग्राम से हर 5 मिनट में मिलेगी, 80 की रफ्तार से दौड़ेगी

गुरुग्राम , एजेंसी।
ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो के स्टेशन बनने के बाद यात्रियों को हर पांच मिनट के अंतराल पर मेट्रो उपलब्ध होगी, जिसकी अधिकतम रफ़्तार 80 किलोमीटर प्रति घंटा होगी और शुरुआत में तीन कोच वाली मेट्रो में 975 यात्री सफर कर सकेंगे, जबकि जीएमआरएल ने मेट्रो के संचालन के लिए 117 कोच का इंतजाम किया है।

ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो के स्टेशन बनने के बाद हर यात्रियों को हर पांच मिनट के अंतराल पर पांच मेट्रो उपलब्ध होगी। वहीं, दावा किया जा रहा है कि इस नई मेट्रो की अधिकतम रफ्तार 80 किलोमीटर प्रति घंटा रहेगी।

गुरुग्राम मेट्रो रेल लिमिटेड (जीएमआरएल) मेट्रो को 90 किलोमीटर प्रति घंटे के हिसाब से डिजाइन कर रहा है। जीएमआरएल की तरफ से ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो के तैयार डिजाइन के मुताबिक शुरुआत में तीन कोच लगाकर मेट्रो का संचालन किया जाएगा। इसमें एक बार में 975 यात्री

सफर कर सकेंगे। इनमें 136 यात्रियों को सीट उपलब्ध होगी। यात्रियों की संख्या बढ़ने के बाद इसको छह कोच किया जाएगा। इसमें 286 यात्रियों के बैठने की व्यवस्था होगी। 2004 यात्री इसमें सफर कर सकेंगे। मेट्रो निर्माण से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि इसकी बॉडी स्टेनलेस स्टील की होगी।

इसकी ऊंचाई 3.9 मीटर रखी जाएगी, जबकि चौड़ाई 2.9 मीटर रहेगी। जीएमआरएल की तरफ से मेट्रो संचालन के लिए 117 कोच का इंतजाम किया जाएगा। बता दें कि दिल्ली मेट्रो की अधिकतम रफ्तार 80 किलोमीटर प्रति घंटा है, लेकिन यह 32 से 35 किलोमीटर प्रति घंटा के हिसाब से दौड़ती है।

जीएमआरएल ने दूसरे चरण में भू तकनीकी सर्वे पूरा कर लिया है। दूसरे चरण में सेक्टर-नौ से लेकर डीएलएफ साइबर सिटी तक मेट्रो का संचालन होना है। करीब 13 किलोमीटर में भू तकनीकी सर्वे हुआ है। सेक्टर-पांच से रेलवे स्टेशन तक भू तकनीकी सर्वे को जल्द शुरू किया जाएगा। इस सर्वे के तहत पानी और मिट्टी के नमूने लेकर टेंडर के दस्तावेजों को तैयार किया जाएगा। ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो के निर्माण को लेकर मिलेनियम सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन से लेकर सुभाष चौक तक पेड़ों की कटाई का काम तेजी से शुरू हो गया है। सेक्टर-33 स्थित ट्रांसपोर्ट नगर में कास्टिंग यार्ड बनने के बाद मेट्रो का निर्माण तेज गति से शुरू हो जाएगा।

ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो के निर्माण के तहत जाम से बचने के लिए मिलेनियम सिटी सेंटर से लेकर सुभाष चौक तक साइकिल ट्रैक को खत्म किया जाएगा। आसपास लगते सेक्टरों के यातायात को सर्विस रोड पर चलाया जाएगा, जिसकी वजह से मुख्य सड़क पर यातायात जाम कम लगे। यह योजना जीएमडीए की तरफ से इस सड़क पर ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो का निर्माण कार्य शुरू होने के चलते तैयार की गई है। इस मुख्य सड़क के साथ दो लेन की सर्विस रोड को जीएमडीए ने तीन साल पहले तैयार किया था।

मुनव्वर फारुकी को मारने की साजिश का खुलासा, मुंबई और बेंगलुरु में हुई थी रेकी, दो शूटर गिरफ्तार

मुंबई , एजेंसी।
मशहूर कॉमेडियन और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर मुनव्वर फारुकी को जान से मारने की साजिश का सनसनीखेज खुलासा हुआ है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने गैंगस्टर रोहित गोदारा के दो शूटरों, राहुल रामफल और साहिल रमेश कुमार को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में दोनों ने बताया कि उन्होंने सितंबर 2025 में मुंबई के डोंगरी और बांद्रा इलाकों में मुनव्वर के घरों की रेकी की थी। इसके बाद बेंगलुरु में एक कार्यक्रम के दौरान उन पर हमला करने की योजना बनाई गई, जो आखिरी समय में विफल हो गई। दिल्ली पुलिस ने यह जानकारी मुंबई क्राइम ब्रांच के साथ साझा की है। पुलिस के अनुसार, शूटरों ने 10 से 15 सितंबर के बीच मुनव्वर के डोंगरी स्थित पुराने घर की रेकी की, जहां वह कभी-कभी आते थे। इस दौरान उन्हें मुनव्वर के बांद्रा वाले नए घर की जानकारी मिली, जिसके बाद उन्होंने वहां भी रेकी की। हालांकि, मुंबई में हमले के लिए उपयुक्त मौका न मिलने और असहजता के कारण शूटरों ने योजना को अंजाम नहीं दिया। मुंबई क्राइम ब्रांच के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दिल्ली पुलिस के इनपुट्स के आधार पर जांच तेज कर दी गई है। शूटरों ने अपने आका रोहित गोदारा को इसकी जानकारी दी, जिसके बाद उसने बेंगलुरु में हमले की साजिश रची। शूटरों को पता था कि मुनव्वर बेंगलुरु में एक कार्यक्रम में शामिल होने वाले हैं। 15 से 20 सितंबर के बीच उन्होंने कार्यक्रम स्थल और मुनव्वर की गाड़ी की रेकी की। लेकिन, ऐन वक्त पर मुनव्वर की गाड़ी बदलने और शूटरों के बीच तालमेल की कमी के कारण हमला नाकाम रहा। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल शूटरों से पूछताछ कर रही है और जल्द ही इस मामले में और खुलासे होने की संभावना है। यह घटना मुनव्वर की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल उठाती है। पुलिस ने उनकी सुरक्षा बढ़ाने के साथ-साथ इस साजिश के पीछे के मास्टरमाइंड तक पहुंचने के लिए जांच तेज कर दी है।

ग्रेटर नोएडा और यमुना सिटी को जोड़ेगी 25 किमी लंबी नई सड़क

ग्रेटर नोएडा एजेंसी।
ग्रेटर नोएडा और ग्रेनो वेस्ट की 130 मीटर चौड़ी सड़क को अब यमुना सिटी से जोड़ने की तैयारी है। यमुना विकास प्राधिकरण (यीडा) ने क्षेत्र में बनने वाली 25 किलोमीटर सड़क के लिए भूमि खरीद और सड़क का निर्माण एनएचएआई से कराने की योजना बनाई है।

प्राधिकरण के अधिकारी ने बताया कि 130 मीटर चौड़ी सड़क ग्रेटर नोएडा वेस्ट के गौर सिटी गोल चक्कर से शुरू होकर ग्रेटर नोएडा के सेक्टर-1, 2, 3, 5, ईटा, जीटा, ओमीक्रॉन से होते हुए सिरसा तक बनी है। इससे आगे यह सड़क यमुना प्राधिकरण के सेक्टरों को आपस में जोड़ेगी। यह सड़क अलाउदा गांव से शुरू होकर एयरपोर्ट के पास से होकर एनसीआर प्लानिंग बोर्ड द्वारा प्रस्तावित पलवल-खुर्जा एक्सप्रेसवे से मिलेगी। यह सड़क 25 किलोमीटर लंबी बनेगी, जिसके लिए प्राधिकरण को करीब 812 एकड़ भूमि खरीदनी होगी। जमीन खरीद पर 1400 करोड़ से अधिक खर्च

आएगा। सड़क के निर्माण में 300 करोड़ रुपये लगेंगे। हालांकि, जमीन टुकड़ों में खरीदने पर विचार है।

पहले एयरपोर्ट के पास सेक्टर-8डी, 8सी और सेक्टर-7 के पास पांच किलोमीटर सड़क के लिए 162 एकड़ भूमि खरीदी जाएगी, जिस पर 280 करोड़ खर्च आएगा। सड़क ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे (केजीपी) को जोड़ते हुए यमुना सिटी के अलाउदा गांव से शुरू होगी और एक तरफ सेक्टर-16, 14, 13, 12, 11, 10, 9, 8 और दूसरी तरफ से सेक्टर-7, 6, 5, 4, 3, 2, 1 को जोड़ेगी। सड़क के बनने से नोएडा, ग्रेनो और यमुना सिटी तक पहुंच आसान हो जाएगी।

पहले चालान कटता था, अब केस होगा; फरीदाबाद में कूड़ा जलाया तो खैर नहीं

फरीदाबाद, एजेंसी।
स्मार्ट सिटी फरीदाबाद में कूड़े के ढेर में आग लगाने वालों पर अब मुकदमा दर्ज होगा। शहर में ग्रैप की पाबंदियों के अलावा अन्य दिनों में भी कूड़ा जलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसे लेकर केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालय ने कार्य योजना तैयार की है।

जिला उपायुक्त विक्रम सिंह की मुहर लगने के बाद उसे लागू कर दिया जाएगा। जिले में इसे सख्ती से लागू करने के लिए जिला प्रशासन के अंतर्गत आने वाले सभी विभागों की जिम्मेदारी तय होगी। बता दें कि अब तक केवल ग्रैप के लागू रहने के दौरान यदि कोई कूड़ा जलाता पाया जाता है तो उसके खिलाफ

एफआईआर दर्ज होती थी। इस नियम में बदलाव किया जा रहा है। इस नए नियम के लागू होने से कूड़ा जलाने की घटनाओं में कमी आने की उम्मीद है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों के अनुसार फरीदाबाद में प्रदूषण का मुख्य कारण कूड़े के ढेर में आग है। स्मार्ट सिटी में आगरा नहर सड़क किनारे जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे हुए हैं और वहां पर आए दिन कूड़े के ढेर में आग को देखा जा सकता है। कई बार कूड़े के ढेर में आग इनकी भयानक होती है कि उसके आसपास रहने वाले लोगों को धुएं की वजह से सांस लेना भी मुश्किल हो जाता है। इसके अलावा बाटा फ्लाईओवर के नीचे, संजय कॉलोनी, पर्वतीय कॉलोनी, सरूरपुर, नंगला, बल्लभगढ़ सहित कई जगहों पर कबाड़ी देर रात कूड़े के ढेर में आग लगाते हैं। इससे निकलने वाले धुएं में कार्बन मोनोऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड और बेंजीन होती है। यह सजीवों के लिए बेहतर नुकसान दायक होती है। फरीदाबाद में प्रदूषण का स्तर सामान्य है, लेकिन बल्लभगढ़ क्षेत्र का बढ़ता प्रदूषण चिंता बढ़ा रहा है। बुधवार को फरीदाबाद का एक्यूआई 112 और बल्लभगढ़ का 220 दर्ज किया गया। यहां पर प्रदूषण स्तर खराब श्रेणी में पहुंच गया और इस दूषित हवा में सांस लेना लोगों के लिए हानिकारक साबित हो सकता है।

34000 किलो नकली पनीर नष्ट, 4 डेयरियों का लाईसेंट निलंबित, सीज

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

आगामी दीपावली पर्व पर आम जनमानस को उपलब्ध होने वाले दुग्ध एवं दुग्ध पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए गुरूवार को सचिव एवं आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उत्तर प्रदेश लखनऊ डॉ रोशन जैकब के नेतृत्व एवं निर्देशन में उपजिलाधिकारी खैर, गभाना, स्थानीय पुलिस बल, सहायक आयुक्त (खाद्य) अलीगढ़ मण्डल, अलीगढ़ की खाद्य टीम एवं खाद्य सुरक्षा के स्पेशल टास्क फोर्स की टीम द्वारा प्रातः सोफा नहर के किनारे चौधरी डेयरी पर छापामार कर सघन निरीक्षण किया गया।

मौके पर 3150 लीटर पनीर बनाने के लिए मिश्रित दूध, रिफाइण्ड पॉमोलीन ऑयल के 17 टीन (प्रत्येक 15 लीटर) पीला चना के 6 कट्टे, (प्रत्येक 30 किलोग्राम), स्किम्ड मिल्क पाउडर के 4 कट्टे (प्रत्येक 25 किलो ग्राम) अपमिश्रक, विनिर्मात पनीर (10 कुंतल), पोस्टर कलर के 5 डिब्बे (प्रत्येक 600 मिली), रानीपाल (आप्टिकल व्हाइटनिंग एजेंट) 02 पैकेट (प्रत्येक 1-1 किलो ग्राम), एक कैन में लगभग 30 लीटर अज्ञात अपमिश्रक रसायन एवं हाईड्रो पपड़ी 100

ग्राम के चार पैकेट पाये गये, जिन्हे आपस में मिलाकर गुणवत्ताविहीन सिंथेटिक नकली पनीर बनाया जा रहा था।

मौके पर अस्वस्थ्यकर एवं अस्वच्छकर परिस्थतियों में खाद्य कारोबार संचालित था, जिस पर मौके पर रिफाइण्ड पॉमोलीन ऑयल का 01, पीला चना का 01, स्किम्ड मिल्क पाउडर का 01. मिश्रित दूध के 03, पनीर के 02, अपमिश्रक पोस्टर कलर का 01, रानीपाल का 01. अज्ञात अपमिश्रक रसायन का 01, हाईड्रो पपडी का 01, सहित कुल 12 नमूने संग्रहित करते हुए अस्वस्थ्यकर एवं अस्वच्छकर परिस्थितियों में भण्डारित प्रथम दृष्टया मिलावटी 1350 लीटरी मिश्रित दूध कुल मूल्य 94500 एवं लगभग 10 कुन्टल पनीर कुल मूल्य 240000 को नष्ट कराया गया एवं रिफाइण्ड पॉमोलीन ऑयल 16 टीन मूल्य 47226, पीला चना 8 कट्टे मूल्य 11880, स्किम्ड मिल्क पाउडर 4 पैकेट मूल्य 29204 को जब्त कर मौके पर सीज किया गया। डेयरी को सीज कर बीएनएस की सुसंगत धाराओं में एफआईआर दायर करने की प्रक्रिया की जा रही है। मौके पर उपजिलाधिकारी खैर स्थानीय पुलिस उपस्थित रहे।

इस प्रकार कुल 28 नमूनें संग्रहीत करते हुए 3330 किलो ग्राम पीला चना दाल 190280 मूल्य, 96 किलो ग्राम स्किम्ड मिल्क पाउडर 29204 मूल्य व 240 लीटर रिफाइण्ड पीमोलीन ऑयल 47226 मूल्य को जब्त किया गया। इसी प्रकार अस्वस्थ्यकर एवं अस्वच्छकर परिस्थितियों में मिलावट की प्रथम दृष्टया पुष्टि होने पर 3400 किलो ग्राम पनीर एवं 16100 लीटर अपमिश्रित मिलावटी दूध मौके पर नष्ट कराया गया। सभी नमूनें खाद्य प्रयोगशाला प्रेषित किये गये हैं, जिसकी जाँच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के सुसंगत प्रावधानों के तहत अग्रिम विधिक कार्यवाही की जायेगी। उपरोक्त सभी चारों डेयरियों लाईसेन्स निलम्बित करते हुए डेयरियों को सीज कर दिया गया। 34000 किलो ग्राम पनीर नष्ट कराया गया।

सीओ आलोक सिंह ने सुरक्षा के प्रति महिलाओं को जागरूक किया

✷ एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ ✷

एसपी अभिषेक झा के निर्देश पर सीओ अफजलगढ़ आलोक सिंह के नेतृत्व में कोतवाली अफजलगढ़ क्षेत्र के नगर पालिका परिषद हाल में महिलाओं को जागरूक किया गया ।मिशन शक्ति अभियान के तहत पुलिस ने महिलाओं सहित छात्राओं को साइबर क्राइम,नारी स्वावलंबन और सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। इस विशेष अभियान के दौरान महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने और अपने अधिकारों की रक्षा करने की जानकारी दी गई।

साथ ही पुलिस ने महिला सुरक्षा से जुड़े हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी साझा की, ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत सहायता ली जा सके। साइबर अपराध से बचाव के लिए जरूरी सुझाव अभियान के दौरान महिला सुरक्षा,ऑनलाइन ठगी, सोशल मीडिया अपराध और साइबर बुलिंग से बचने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए।

मंगलवार को एसपी अभिषेक झा के निर्देश पर मिशन शक्ति फेज पांच अभियान के दौरान महिलाओं को सुरक्षा से संबंधित जानकारी देते हुए सीओ अफजलगढ़ आलोक सिंह ने बताया कि यदि कोई भी साइबर अपराध का शिकार होता है। तो बिना देर किए पुलिस या हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत दर्ज कराएं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने सहित अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया।

इसके अलावा महिलाएं किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि का सामना करने से न डरें और तुरंत पुलिस की मदद लें। तत्काल अफजलगढ़ थानाध्यक्ष के सीयूजी नंबर 9454403125 व महिला हेल्पलाइन नंबर 181,1090,112 पुलिस,बाल सहायता सेवा 1098,साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 पर घटना की जानकारी दे।

वही थानाध्यक्ष रामप्रताप सिंह ने बताया कि मिशन शक्ति पांच अभियान के तहत महिलाओं और छात्राओं को सुरक्षा, सशक्तिकरण और साइबर अपराध से बचाव के लिए लगातार जागरूक किया जा रहा है।

पत्नी को एनेस्थीसिया का ओवरडोज देकर मार डाला

बेंगलुरु, एजेंसी। बेंगलुरु के विक्टोरिया अस्पताल के 32 साल के जनरल सर्जन डॉ. महेंद्र रेड्डी ने अपनी चिकित्सकीय जानकारी का इस्तेमाल किसी की जान बचाने के बजाय अपनी पत्नी की जान लेने के लिए किया। छह महीने तक इसे प्राकृतिक मौत माना गया, लेकिन अब पुलिस ने खुलासा किया है कि यह एक सुनियोजित हत्या थी। 28 साल की त्वचा रोग विशेषज्ञ (डर्मेटोलॉजिस्ट) डॉ. कृतिका रेड्डी की मौत के मामले में उनके पति महेंद्र को 14 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, महेंद्र ने एनेस्थीसिया की जानलेवा खुराक देकर पत्नी की हत्या की। आपको बता दें कि दोनों का विवाह 26 मई 2024 को हुआ था। मौत से महज 11 महीने पहले। व्हाइटफील्ड डीसीपी एम. परशुराम ने बताया, महेंद्र ने अपनी पत्नी की हत्या बड़ी सावधानी से योजनाबद्ध की थी। वह उसकी चिकित्सीय कमजोरियों को जानता था और उसने उसी का फायदा उठाया। पुलिस जांच से पता चला कि 21 अप्रैल को महेंद्र ने अपने घर पर पत्नी को पेट दर्द के बहाने ढूङ्क इंजेक्शन दिया। अगले दिन वह उसे मराठहल्ली स्थित मायके ले गया, यह कहते हुए कि उसे आराम की जरूरत है। 23 अप्रैल की रात, वह दोबारा ससुराल पहुंचा और एक और इंजेक्शन लगाया। अगले दिन सुबह 24 अप्रैल को कृतिका को बेसुध पाया गया। डॉक्टर होने के बावजूद महेंद्र ने सीपीआर देने का प्रयास नहीं किया और उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत

घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम और एफएसएस रिपोर्ट में शरीर में एनेस्थीसिया के अंश पाए गए। इसके बाद केस को हत्या में बदला गया। कृतिका के पिता के. मुनी रेड्डी की शिकायत पर महेंद्र के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। उन्होंने कहा, हमारी बेटी को लगता था कि उसका विवाह सम्मान और प्रेम पर आधारित है। पर उसी मेडिकल ज्ञान का इस्तेमाल उसकी जान लेने के लिए किया गया। जांच में पता चला कि शादी के बाद महेंद्र को यह मालूम हुआ कि कृतिका को लंबे समय से गैस्ट्रिक और मेटाबॉलिक विकार हैं। परिवार ने यह जानकारी पहले नहीं दी थी। पुलिस को शक है कि इसी बात ने उसके भीतर नाराजगी और प्रतिशोध की भावना पैदा की जो अंततः हत्या में बदल गई। पत्नी की मौत के बाद भी महेंद्र ने खुद को सामान्य दिखाने की कोशिश की। उसने पुलिस से कहा कि उसकी पत्नी की मौत स्वाभाविक थी।

नोएडा के मंदिर से छह किलो चांदी और मुकुट चोरी, गेट की कुंडी काटकर अंदर घुसे चोर

नोएडा एजेंसी। नोएडा के सेक्टर-12 के बी ब्लॉक स्थित शिव दुर्गा मंदिर के गर्भगृह से बदमाश मंगलवार रात भोले बाबा की पिंडी पर जड़ी पांच-छह किलो चांदी और मूर्तियों से मुकुट चोरी कर ले गए। सेवादार के बुधवार सुबह मंदिर पहुंचने पर चोरी का पता चला। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। सेक्टर-12 में शिव दुर्गा मंदिर है। बदमाश मंगलवार देर रात मंदिर के गेट की कुंडी काटकर अंदर घुसे। वहां भोले बाबा की पिंडी पर जड़ी चांदी को चोरी कर लिया। चोरी करने के दौरान पिंडी को भी नुकसान पहुंचाया। साथ ही, चोर मूर्तियों पर लगे चांदी के मुकुट भी ले गए। बुधवार सुबह सेवादार मंदिर पहुंचे तो गेट खुला था। अंदर सामान तितर-बितर फैला था। यह देखकर वह चौंक गए। जानकारी होने पर मौके पर भीड़ एकत्रित हो गई। मंदिर समिति के महासचिव कपिल ने बताया कि चोर मंदिर परिसर से चांदी के चार छत्र और पिंडी पर जड़ा चांदी का पत्र चोरी कर ले गए। करीब पांच-छह किलो चांदी की चोरी हुई है। सेक्टर-24 थाना पुलिस ने बताया कि शिकायत लेकर मामले में जांच कराई जा रही है। आरोपियों की तलाश के लिए दो टीमों का गठन किया गया है।

4.5 किग्रा गांजे के साथ चार महिलाएं गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷। सूरजपुर कोतवाली पुलिस ने चार महिलाओं को अवैध गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। आरोप है कि गिरफ्तार महिलाएं अवैध रूप से गांजे की तस्करी कर रही थीं। उनके कब्जे से 4.5 किग्रा गांजा बरामद किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी महिलाओं की पहचान बुलंदशहर के गांव गंगागढ़ निवासी इंद्रा देवी, अलीगढ़ के गांव मीरपुर बंजारन का नंगला निवासी गीता, अलीगढ़ के गांव रूपा नंगला निवासी उर्मिला उर्फ लालमुखी और बुलंदशहर के गांव हीरापुर टांडा निवासी मीना के रूप में हुई हैं। इंद्रा देवी इस समय एच्छर गांव, गीता कासना, उर्मिला व मीना नट की मडैया गांव में किराये पर रह रही थीं। कोतवाली प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि सेक्टर ईटा वन के पास से गश्त के दौरान चार महिलाओं को रोककर तलाशी ली गई तो उनके थैला से गांजा निकला।

चोरी की बाइक के साथ एक युवक गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷। बिसरख कोतवाली पुलिस ने चोरी की बाइक के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि आरोपी की पहचान सूरजपुर कस्बा स्थित सरदार कॉलोनी निवासी दीपक के रूप में हुई है। गश्त के दौरान 130 मीटर रोड पर उसे रोका गया तो उसने भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने उसे दबोच लिया। बाइक पर नंबर प्लेट नहीं थी। पूछताछ में पता चला कि बाइक चोरी की थी और पीलीभीत के रवि खैराती के नाम पर दर्ज है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का आरोप

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷। एक युवती ने युवक पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। इस मामले में युवती की शिकायत पर कोतवाली फेज वन में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपी की तलाश कर रही है। फेज वन थाना क्षेत्र के एक गांव में रहने वाली युवती ने पुलिस से शिकायत की है कि एक साल पहले युवती की जान पहचान राहुल प्रजापति नाम के युवक से हुई थी। आरोप है कि राहुल ने पहले दोश्ती की। राहुल नजदीकी बढ़ाकर कमरे पर भी आने-जाने लगा। इसके बाद शादी का वादा कर उसके साथ कई बार संबंध बनाए। पीड़िता ने जब राहुल से शादी करने के लिए कहा तब टरकाने लगा। इसके बाद शादी करने से मना कर दिया। कोतवाली प्रभारी अमित कुमार मान ने बताया कि इस मामले में मुकदमा पंजीकृत किया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

दुकानदार को पड़ोसी ने पीटा

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷। नयागांव में कहासुनी के बाद दुकानदार को पड़ोसी ने पीट दिया। इसमें दुकानदार के हाथ, पैर व सिर में चोट लगी है। इस मामले में कोतवाली फेज टू पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। ग्रेटर नोएडा के हल्दौनी गांव के रहने वाले अरबाज की नया गांव में जूते चप्पल की दुकान है। सोमवार को दुकान के बाहर सामान रखने के दौरान पड़ोसी कामरान से कहासुनी हो गई। कामरान के साथ आकर फैजान भी अभद्रता करने लगा। इसका विरोध करने पर आरोपियों ने मिलकर मारपीट कर दी। लोगों को एकत्रित होता देख आरोपी धमकी देते हुए चले गए। कोतवाली प्रभारी विंध्यांचल तिवारी ने बताया कि इस मामले में दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चार किलो गांजे के साथ तस्कर गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷। कोतवाली सेक्टर-58 पुलिस ने चार किलो गांजे के साथ एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। गांजा तस्कर दिल्ली से गांजा लाकर कंपनियों और फैक्टरियों में काम करने वाले लोगों को सप्लाई करता था। गिरफ्तार गांजा तस्कर की पहचान झारखंड के जमशेदपुर निवासी रिषभ पांडेय के रूप में हुई है। 28 वर्षीय रिषभ के पास से चार किलो 172 ग्राम गांजा बरामद हुआ है। पुलिस आरोपी का आपराधिक इतिहास पता कर रही है। तस्कर के खिलाफ पहले से भी कई मुकदमे दर्ज हैं।

घर के बारमदे में सो रहे बुजुर्ग की हत्या :चांदपुर में सिर पर किया हमला, दो लोग हिरासत में

✷ एनसीआर टुडे. चांदपुर ✷। थाना क्षेत्र में एक 65 वर्षीय बुजुर्ग व्यक्ति की सर पर वार कर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान जयपाल सिंह पुत्र लल्लू सिंह निवासी ग्राम किरतपुर के रूप में हुई है। जयपाल सिंह घर के बरामदे में सो रहे थे। उसी समय हत्यारे ने उन्हें मौत की नींद सुला दिया। गुरुवार सुबह परिवार के लोग सो कर उठे तो घटना का पता चला। हत्या की ख़बर से गांव में सनसनी फ़ैल गई। सीओ चांदपुर ने स्थानीय पुलिस के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है और जांच पड़ताल में जुट गई है। बताया जाता है कि घटना के समय मृतक बुजुर्ग जयपाल सिंह अपने घेर के खुले बरामदे में चारपाई पर सौ रहे थे। बताया जा रहा है कि बीती रात ही गांव में परिवार के लोगों की शराब को लेकर गांव के एक युवक से बोलचाल हो गई थी। उसके बाद सभी लोग अपने-अपने घरों को चले गए। सुबह तड़के हत्या की घटना का पता चला।

घर के बाहर खड़ी ई रिक्शा में अज्ञात व्यक्ति ने लगाई आग

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। घर के बाहर खड़ी गरीब की ई रिक्शा में अज्ञात व्यक्ति ने आग लगा दी। ई रिक्शा में आग लगती देख ई रिक्शा चालक ने आग बुझाने का प्रयास किया,तब तक ई रिक्शा बुरी तरह जल गई थी। इस मामले की शिकायत पुलिस से की गई है। मोहल्ला नौधा निवासी अनीस अहमद पुत्र यासीन ई रिक्शा चलाकर अपने परिवार का पालन पोषण करता है। उसने रोज की तरह अपनी ई रिक्शा को अपने घर के बाहर खड़ा किया था। बुधवार की रात्रि अज्ञात व्यक्ति ने ई रिक्शा में आग लगा दी। आग की लपटे देख ई रिक्शा स्वामी व परिजनों ने आग पर काबू पाने का प्रयास किया। तब तक ई रिक्शा बुरी तरह जल गई थी। ई रिक्शा में रखे बैटरे भी जलकर राख हो गए।

मुरादनगर में नकली खाद का बड़ा रैकेट बेनकाब

यूपी एसटीएफ की छापेमारी, 900 से अधिक कट्टे जब्त

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद/मुरादनगर ✷

उत्तर प्रदेश एसटीएफ और मुरादनगर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में नकली खाद बनाने और सप्लाई करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ हुआ, जहां बीएसएनएल चौक के निकट बंबा रोड स्थित गोदाम से लगभग 900 कट्टे नकली खाद और डीएपी जब्त किए गए।

टीम ने गोदाम संचालक राहुल सिंघल को हिरासत में लिया, जबकि गोदाम को जिला कृषि अधिकारी और तहसील प्रशासन की उपस्थिति में सील कर दिया गया।

सूचना के अनुसार, गिरोह लंबे समय से डीएपी और अन्य उर्वरकों के नाम पर मिलावटी माल की पैकिंग कर सप्लाई कर रहा था। छापेमारी से पहले एसटीएफ कई दिनों तक संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी रखे हुए थी। प्राथमिक जांच में खुलासा हुआ कि सस्ता उर्वरक देने के झांसे में किसानों को नकली खाद पहुँचाई जा रही थी, जिससे फसलों की उत्पादकता प्रभावित होने की आशंका है। अधिकारियों ने बताया कि बरामद कट्टों के नमूने प्रयोगशाला भेजे गए हैं और रिपोर्ट के आधार पर कड़ी धाराओं में कार्रवाई आगे बढ़ाई जाएगी।

प्रशासनिक सूत्रों ने संकेत दिया कि यह नेटवर्क गाजियाबाद के अलावा आगरा, राजस्थान और हरियाणा तक फैला हुआ था। शुरुआती पूछताछ में यह भी सामने आया कि माल की खपत विभिन्न जिलों और पड़ोसी राज्यों में नकली पैकिंग के जरिए की जा रही थी। आवश्यक वस्तु अधिनियम सहित संबंधित प्रावधानों में मुकदमा दर्ज कर आरोपी से पूछताछ जारी है, जबकि एसटीएफ गिरोह के अन्य सदस्यों और सप्लाई चैन की कड़ियों की तलाश में दबिश दे रही है। तहसील प्रशासन के अनुसार, जब्त उर्वरकों की गुणवत्ता जांच निर्णायक होगी-यदि पोषक तत्व मानकों से नीचे पाए गए तो व्यापक दंडात्मक कार्रवाई के साथ-साथ लाइसेंस निरश्तीकरण, जुर्माने और आपराधिक अभियोजन की कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

कृषि विभाग ने किसानों को अधिकृत विक्रेताओं से ही खाद खरीदने, बिल अनिवार्य रूप से लेने और संदेह होने पर तत्काल स्थानीय कृषि कार्यालय को सूचित करने की सलाह दी है। अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि त्योहारों और रबी सीजन के पूर्व बढ़ती मांग के समय नकली खाद का जोखिम बढ़ जाता है, इसलिए सतर्कता और प्रवर्तन की सघनता बढ़ाई जाएगी।

कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि मिलावटी उर्वरक न केवल फसल को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि मिट्टी के स्वास्थ्य पर दीर्घकालिक नकारात्मक असर छोड़ता है। ऐसे मामलों में खेतों की पोषकता संतुलन योजना और मृदा परीक्षण को प्राथमिकता देना, तथा बीज–खाद खरीद में ट्रेसबिलिटी और क्यूआर आधारित सत्यापन जैसे उपाय उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं।

उधर, पुलिस ने जनता से अपील की है कि संदेहास्पद गोदामों, बिना बिल बिक्री और असामान्य रूप से सश्ते उर्वरक के बारे में तुरंत सूचना दें, ताकि संगठित तंत्र पर प्रभावी चोट की जा सके।

महिला पर लगाया मकान पर कब्जा करने का आरोप

✷एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷

बीटा-2 कोतवाली में एक्सप्रेसवे पार्क व्यू सोसाइटी निवासी एक व्यक्ति ने कोर्ट के आदेश पर एक महिला के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कराया है। आरोप है कि आरोपी महिला की मां ने एक अन्य महिला को मकान बेच दिया था। उसके बाद भी जबरन मकान पर कब्जा किया है। जबकि पीड़ित ने मकान खरीदने का सौंदा दूसरी महिला खरीदार से कर लिया है।

पुलिस ने मकान खाली कराने की मांग की है। पुलिस का कहना है कि जांच की जा रही है। सोसाइटी निवासी संजीव शर्मा ने मामला दर्ज कराया है कि दिल्ली के मयूर विहार निवासी मनीषा सिंह का सेक्टर बीटा-2 में मकान है। जो उन्होंने पूर्वांचल रॉयल सिटी सोसाइटी निवासी नागेश्वरी देवी से वर्ष 2024 में खरीदा था। मकान की रजिस्ट्री और दाखिल खारिज भी मनीषा के नाम पर है।

मनीषा सिंह से 2.20 करोड़ रुपये में मकान का सौदा तय हुआ। 14 जनवरी को 22 लाख रुपये का चेक टोकन मनी का भी दे दिया गया। आरोप है कि 18 मार्च को मनीषा सिंह के साथ वो मकान पर पहुंचे तो ताला टूटा हुआ था। किसी और का ताला लगा हुआ था। तब आसपास के लोगों से पता किया तो पता चला कि पूर्व मकान मालिक नागेश्वरी देवी की बेटी मंजू निवासी निंबस-2 सोसाइटी ने ताला लगाया है।

साढ़े छह कुंतल मिलावटी पनीर नष्ट कराया

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

खाद्य सुरक्षा विभाग ने बुधवार देर रात साढ़े छह कुंतल मिलावटी पनीर नष्ट कराया। विभाग की अन्य टीम ने भोजपुर में एक डेयरी पर छापेमारी कर पनीर के दो नमूने लिए।

खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और साफ-सफाई में कमी के चलते प्रतिष्ठान का पंजीकरण निरश्त कर दिया। जिला अभिहित अधिकारी अरविंद कुमार यादव ने बताया कि बुधवार देर रात खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम जनपद की सभी सीमाओं पर तैनात थी। देर रात साहिबाबाद सब्जी मंडी में एक माल वाहक वाहन पलवल से आ रहा था। उसमें साढ़े छह कुंतल मिलावटी पनीर था।

पनीर में रिफाइंड ऑयल मिला हुआ था। पनीर को गुरुवार दोपहर हिंडन नदी के पास नष्ट कराया गया। वहीं, विभाग की दूसरी टीम ने गांव त्योढ़ी स्थित हाजी फरियाद की डेयरी पर छापेमारी की कार्रवाई की। डेयरी पर छापेमारी कर पनीर और खोए के सैंपल लिए।

मानक पूरे न होने पर डेयरी का लाइसेंस निलंबित कर दिया। इसके अलावा राकेश मार्ग स्थित एक प्रतिष्ठान से विभाग की टीम ने 75 किलोग्राम मिलावटी पनीर को नष्ट कराया।

रोस्टर बनाकर अधिकारियों की ड्यूटी लगाई : खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि जनपद में मिलावटखोरों पर कार्रवाई के लिए अधिकारियों की रोस्टर बनाकर ड्यूटी लगाई जा रही है।

इसके तहत जनपद में 21 अधिकारियों को विभिन्न स्थानों पर तैनात किया गया है। इसके अलावा जनपद को पांच जोन में बांटा गया है। तीन टीम सीमा पर 24 घंटे तैनात रहती है। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिष्ठानों पर भी टीम छापेमारी कर रही हैं। अस्थायी मिठाई की दुकानों की भी जांच की जा रही है।

राजा फ़ूड इंडस्ट्रीज पर खाद्य आयुक्त टीम का छापा

मेरठ- मुरादाबाद की टीमें रही मौजूद, शासन स्तर से गठित थी टीमें

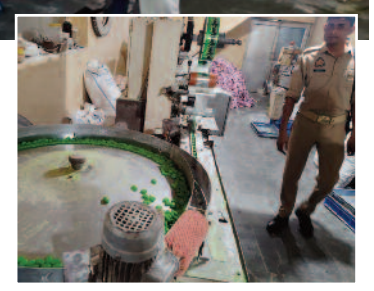

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

किरतपुर थाना क्षेत्र स्थित राजा फूड इंडस्ट्रीज पर अचानक खाद्य आयुक्त टीम और स्थानीय पुलिस सहित तहसील प्रशासन के पहुंचते ही हड़कंप मच गया। जहां टीम ने फैक्ट्री के अंदर चल रहे कार्य की जांच की। वही कई चीजों के सैंपल भी भर लिए।

यह कार्रवाई कई घंटे तक चली। इसके बाद स्थानीय प्रशासन तहसील के लिए लौट गया तो खाद्य आयुक्त की टीम सैंपल भरने में स्टॉक की गिनती करने में व्यश्त रही।

प्राप्त जानकारी के अनुसार किरतपुर थाना क्षेत्र के नगीना रोड स्थित राजा फूड इंडस्ट्रीज पर शासन द्वारा गठित मेरठ व मुरादाबाद मंडल की संयुक्त टीमो ने छापेमारी की।

जिसमें खाद्यआयुक्त टीम सहित उप जिलाधिकारी नजीबाबाद, पुलिस क्षेत्राधिकार नजीबाबाद ने फैक्ट्री में सभी चीजों का जायजा लिया। साथ ही फैक्ट्री में बन रहे पदार्थों के सैंपल भरे। वही टीम ने बताया कि एक्सपायरी चीजों को रिसाइकल कर इन्हें निर्मित किया जा रहा है।

मौके पर मौजूद टीम न केवल सैंपल भरने में व्यश्त रही बल्कि फैक्ट्री में निर्मित होने वाली सभी चीजों टॉफी, बतिसा, लॉलीपॉप, सोनपापड़ी, लडडू आदि की क्वालिटी और क्वांटिटी भी भरने लगी। साथ ही फैक्ट्री की गंदगी और डिस्ट्रोड समान का भी ब्यौरा भरा गया है।

सड़क हादसे में ऑपरेटर की मौत

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

रामपुर कला के पास कल्लूवाला-बादीगढ़ मार्ग पर एक सड़क हादसे में सिद्धार्थ पेपर मिल के एक ऑपरेटर की मौत हो गई। यह हादसा ड्यूटी जाते समय ट्रैक्टर-ट्राली और बाइक की टक्कर से हुआ। पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मृतक की पहचान केहरीपुर जंगल निवासी ओमप्रकाश सिंह (47) के रूप में हुई है। रविवार शाम वह अपने भतीजे राजू पुत्र वीरेंद्र के साथ बाइक से काशीपुर (उत्तराखंड) जा रहे थे।

इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रही ट्रैक्टर-ट्राली से उनकी बाइक की जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में ओमप्रकाश गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि राजू को मामूली चोटें आईं।

घटना की सूचना पर पीआरवी टीम के भूपेंद्र गंगवार और शकील अहमद मौके पर पहुंचे। उन्होंने 108 एंबुलेंस की मदद से घायल ओमप्रकाश को कासमपुरगढ़ी पीएचसी में भर्ती कराया।

वहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। ओमप्रकाश की पत्नी मीनाक्षी देवी ने बताया कि वह काशीपुर स्थित सिद्धार्थ पेपर मिल में ऑपरेटर का काम करते थे और रविवार शाम ड्यूटी पर जा रहे थे।

मृतक अपने पीछे एक पुत्र और चार पुत्रियों को छोड़ गए हैं।थानाध्यक्ष विकास कुमार ने बताया कि मृतक के परिजन की तहरीर के आधार पर ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

प्रताप विहार में मकान में लगी भीषण आग फायर ब्रिगेड ने समय रहते पाया काबू

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

गाजियाबाद के प्रताप विहार क्षेत्र में गुरुवार सुबह तड़के उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब सेक्टर-11 स्थित एक मकान में अचानक आग लग गई।

16 अक्टूबर को प्रातः 5:53 बजे फायर कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि एक मकान में आग धधक रही है और स्थिति गंभीर होती जा रही है।

सूचना मिलते ही फायर स्टेशन कोतवाली से एफएसओ के नेतृत्व में एक फायर यूनिट तुरंत मौके के लिए रवाना कर दी गई।

मौके पर पहुंचकर फायर कर्मियों ने देखा कि आग ग्राउंड फ्लोर से लेकर प्रथम तल तक फैल चुकी है और तेज धुएं के कारण आसपास का माहौल दमघोंटू हो गया है। आग की विकरालता को देखते हुए तत्काल अतिरिक्त फायर टेंडर की मांग की गई। दो दिशाओं से होज पाइप बिछाकर पानी डालना शुरू किया गया, जबकि धुएं के घने गुबार के बीच अंदर घुसना मुश्किल हो रहा था।

ऐसे में फायरमैनों ने बीए सेट (ब्रीदिंग अपरेटस सेट) पहनकर अंदर प्रवेश किया और रुक-रुक कर लगातार पानी डालकर आग को नियंत्रित करने का प्रयास किया। करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत और सूझबूझ भरी कार्यवाही के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया।

फायर विभाग के जवानों की तत्परता और पेशेवर तरीके से तत्परता दिखाने के चलते एक बड़ा हादसा टल गया। घटना के समय मकान मालिक रमेश भदौरिया मौके पर मौजूद थे, हालांकि राहत की बात यह रही कि इस अग्निकांड में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है, हालांकि सटीक कारणों की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी। मकान में रखे घरेलू सामान और फर्नीचर के जलने से आर्थिक नुकसान अवश्य हुआ है, जिसका आंकलन किया जा रहा है।

फायर विभाग ने लोगों से अपील की है कि घरों में विद्युत उपकरणों की समय-समय पर जांच कराते रहें और अग्नि सुरक्षा के बुनियादी इंतजाम अवश्य रखें, ताकि ऐसी घटनाओं से बचा जा सके।

भाकियू अराजनीतिक की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

✷ एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷

भारतीय किसान यूनियन अराजनीतिक संगठन की एक मिटिंग किसान पंचायत मंडावली थाना क्षेत्र के गांव भागू वाला में वालिया बैंकट हॉल में हुई। मीटिंग में मुख्य अतिथि के रूप में युवा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी दिगंबर सिंह, प्रांतीय उपाध्यक्ष चौधरी बलराम सिंह रहे।

मीटिंग में किसानों के मुद्दे पर चिंतन मनन हुआ युवा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी दिगंबर सिंह ने कहा की किसानों के सामने आज बहुत सारी समस्याएं खड़ी है। जैसे फसलों का उचित दाम न मिलाना, सरकार द्वारा पिछले वर्षों में गन्ना मूल्य वृद्धि न करना, फसलों में आने वाले रोगों के द्वारा फसल नष्ट होना, जिनके कारण किसानों का आर्थिक नुकसान होता है और उन सभी समस्याओं को हम सब मिलकर इकट्ठे होकर ही निपटा सकते हैं। इसीलिए उन्होंने संगठन के कार्यकर्ताओं को अवगत कराया कि संगठन को मजबूत बनाना है और किसानो की लड़ाई ईमानदारी से लड़नी है। तभी समाज का कुछ भला हो सकता है।

साथ ही उनके द्वारा चलाई गई मुहिम गंगा एक्सप्रेसवे का बिजनौर से होकर गुजरना के लिए आज संगठन के सभी ग्राम अध्यक्षों को पोस्टकार्ड दिए गए और कहा गया कि यह सभी कार्ड मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी को दिए जाएंगे। ताकि वह बिजनौर वासियों की इस समस्या को गंभीरता से समझ सके। आगामी गन्ना पेराई सत्र के प्रारंभ होने से पूर्व गन्ना मूल्य घोषित होना चाहिए। मुख्यमंत्री जी के द्वारा कही गई घोषणा नजीबाबाद चीनी मिल की क्षमता वृद्धि के लिए भी मुख्यमंत्री जी को अवगत कराना है ताकि क्षेत्र का विकास हो सके। उन्होंने संगठन के नवयुक्त ग्राम अध्यक्षों को माला पहनाकर सम्मानित किया।

संगठन की नीतियों पर चलने के लिए प्रेरणा दी। समाज के लिए सही दिशा में काम करने के लिए कहा इस अवसर पर उपस्थित रहे। चौधरी कुलबीर सिंह, सरदार इकबाल सिंह, भोपाल राठी, विजय सिंह, नवीन राजपूत, पुनीत चौहान, महेंद्र सिंह, हिमांशु, भूपेंद्र, तरुण, गजेंद्र सिंह, शुभम, उज्जवल काकरान, हाजी हनीफ, सफदर, रूपेंद्र, सुशील, साइम अंसारी, काका, जितेंद्र सिंह, जसवंत सिंह, अजीत सिंह, चौधरी नितिन सिरोही, चौधरी श्याम सुंदर, राठी और हजारों की संख्या में किसान मौजूद रहे।

स्वदेशी संकल्प यात्रा का व्यापारी सुरक्षा फोरम संस्थान ने किया जोरदार स्वागत

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

स्वदेशी संकल्प यात्रा के बिजनौर पहुंचने पर व्यापारी सुरक्षा फोरम संस्थान के द्वारा भव्य स्वागत किया गया। यात्रा में आए अतिथियों का स्वागत सम्मान करने के उपरांत स्वदेशी क्यों अपनाये।

इस पर व्यापारी सुरक्षा फोरम की ओर से जिला महा मंत्री ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉक्टर राजीव कुमार जी ने स्वदेशी अपनाओ विदेशी भगाओ हमें अपने देश में बनी हुई चीजों का ही इश्तेमाल करना चाहिए। ऐसा संकल्प सभी उपस्थित जनों को एवं वहां लगे स्टाल स्वामियों को दिलाया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रशांत महर्षि ने किया।

मुख्य अतिथि डॉ राजीव कुमार जी को जिला अध्यक्ष राजकुमार जी ने पटका पहनाकर स्वागत किया। वही अन्य विशिष्ट अतिथियो का स्वागत जिला महामंत्री खगेश कुमार शर्मा और महिला प्रकोष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष नीतू अग्रवाल जिला उपाध्यक्ष संजीव चौधरी द्वारा किया गया।

तत्पश्चात संकल्प यात्रा नुमाइश ग्राउंड से शुरू होकर शक्ति चौक, नगर पालिका चौक, शंभू दयाल चौराहे से राम का चौराहा और डी एम ऑफिस के सामने से गुजरते हुए नुमाइश ग्राउंड पर समापन हुआ। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष राजकुमार गोयल जी, जिला संरक्षक अनिल कंबोज, जिला महामंत्री खगेश कुमार शर्मा ,जिला उपाध्यक्ष संजीव चौधरी, जिला कोषाध्यक्ष सुनील कुमार गुप्ता, नगर संरक्षक आर के अहलावत, जिला मंत्री संजू शर्मा, जिला सह संगठन मंत्री अंकित गोयल, अमित शर्मा, अशोक कुमार शर्मा, अरविंद ठाकुर, विकास देव शर्मा, प्रमोद नामदेव, अंकित खन्ना, मनोज सचदेवा ,मदनपाल सिंह विकास चौधरी, कुलबीर सिंह देशवाल, विपिन कंबोज, राजीव त्यागी कुलदीप त्यागी आदि उपस्थित रहे।

दीपों की रोशनी और खुशियों का उत्सव

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

दीपों का पर्व दीपावली कश्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, पुरैनी में हर्षोल्लास और सांस्कृतिक रंगों के साथ धूमधाम से मनाया गया। विद्यालय परिसर को रंग-बिरंगी झालरों, दीपों और आकर्षक रंगोलियों से सजाया गया, जिससे पूरा वातावरण उत्सवमय हो उठा।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और माँ सरस्वती वंदना के साथ हुई। इसके बाद छात्राओं ने दीपावली पर आधारित विविध सांस्कृतिक प्रश्तुतियाँ दीं।, जिनमें नृत्य, गीत और सुंदर झांकी प्रमुख आकर्षण रहीं। बालिकाओं ने अपने हाथों से आकर्षक कार्ड, झालर और कंडील भी तैयार किए, जो उनके रचनात्मक कौशल को दर्शा रहे थे। विद्यालय की वार्डन सुषमा रानी प्रजापति ने दीपावली के धार्मिक, सामाजिक और पर्यावरणीय महत्व पर प्रकाश डालते हुए छात्राओं से पर्यावरण अनुकूल दीपावली मनाने की अपील की। उन्होंने सभी को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं और छात्राओं के उत्साह व सहभागिता की सराहना की। कार्यक्रम के सफल आयोजन में शिक्षिकाएँ कल्पना रानी, सुरभी, कुसुम रानी, अनवर जहाँ, कु. पवन एवं माताएँ अन्नपूर्णा, गीता सैनी, साथ ही चौकीदार सत्यपाल सिंह, घसीटा सिंह एवं ब्रजबाला देवी का सराहनीय योगदान रहा।

छात्राओं ने दी ईमानदारी की मिसाल, लाखों रुपए का खोया हुआ सोना उसके मालिक को लौटाया

✷ एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷

नगर के आर.यू.एम. उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं ने ईमानदारी की मिसाल पेश करते हुए लाखों रुपए का खोया हुआ सोना उसके मालिक शिक्षक को लौटा दिया। इस सराहनीय कार्य के लिए विद्यालय प्रशासन ने छात्राओं और उनके पिता को सम्मानित किया। यह घटना तब हुई जब विद्यालय में तैनात शिक्षक शकील अहमद अपनी बाइक से लाखों रुपए का सोना एक थैले में रखकर बैंक लॉकर में जमा करने जा रहे थे। राश्ते में, स्कूल के गेट के पास उनके सोने का डिब्बा अचानक गिर गया। उन्हें इस बात का पता तब चला जब वे बैंक पहुंचे, जिसके बाद वे तुरंत स्कूल वापस आए। इसी दौरान, परीक्षा देकर अपने घर जा रही छात्राएं अल्फिजा, अरीबा और अलवीना को स्कूल के गेट पर एक डिब्बा पड़ा मिला। बिना किसी लालच के, छात्राओं ने इसकी जानकारी प्रधानाचार्य को दी। डिब्बा खोलने पर उसमें लाखों रुपए कीमत का सोना पाया गया। सूचना मिलने पर छात्राओं के परिजन भी मौके पर पहुंच गए। अपना खोया हुआ सोना वापस पाकर शिक्षक शकील अहमद ने राहत की सांस ली और ईश्वर का आभार व्यक्त किया। छात्राओं की ईमानदारी और जिम्मेदारी को देखते हुए, विद्यालय के प्रबंधक फुरकान महमूद अंसारी और प्रधानाचार्य शमशाद हुसैन सहित स्कूल प्रशासन ने छात्राओं को नकद राशि देकर सम्मानित किया।

उत्तर रेलवे
अभिरूचि की अभिव्यक्ति (EOI)
File No. No. 1C-MG/Electronic Lock/NMG Wagon (Part-1)
उत्तर रेलवे का दिल्ली मंडल, (एक (01) वर्ष की अवधि के लिए 01 (एक) एनएमजी माल रेक पर विभिन्न प्रकार के ई–लॉक (एक दरवाजे पर स्थायी रूप से फिट किया गया, दूसरा पैडलॉक प्रकार का) की आपूर्ति, स्थापना और रखरखाव की पायलट परियोजना के लिए 'रुचि की अभिव्यक्ति') आमंत्रित करता है।
अभिरुचि की अभिव्यक्ति की विस्तृत जानकारी उत्तर रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट www.nr.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध है।
अभिरुचि की अभिव्यक्ति को जमा करने की अंतिम तिथि 22.10.2025 को 15:00 बजे तक है।
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3195/25

संपादकीय

सामान्य पटाखे बनाम ग्रीन पटाखे

बारिश खत्म होते ही, ठंड की हल्की दश्तक के साथ प्रदूषण का अनचाहा आगमन भी हो चुका है। साल दर साल बीतते जा रहे हैं और प्रदूषण की समस्या से निजात ही नहीं मिल रहा है, क्योंकि इसकी जड़ों तक जाने की कोशिश ही नहीं हो रही है। केवल ऊपरी तौर पर नियम बनाकर प्रदूषण जैसी गंभीर और जटिल समस्या का समाधान नहीं किया जा सकता, ये बात नीति नियंता भी अच्छे से जानते हैं।

मगर शायद प्रदूषण दूर करना उनके लिए जीने-मरने का सवाल कभी रहा ही नहीं। उन्हें वातानुकूलित दफ्तरों में बैठकर काम करना है, तमाम सुविधा-संपन्न घरों में रहना है, छुट्टियों पर प्रदूषण रहित पर्यटक स्थलों पर वे जाते हैं और अगर बीमार पड़ें तो सात सितारा अस्पतालों में महंगा इलाज उनके लिए उपलब्ध है। लेकिन आम आदमी प्रदूषण की मार बारह महीने झेलता है, फिर भी समझ नहीं पाता कि उसे खुश करके आखिर में उसे ही धीरे-धीरे मारने का इंतजाम किया जा रहा है।

दीपावली से पहले सुप्रीम कोर्ट ने हरित पटाखों की बिक्री और उपयोग की जो इजाज़त दी है, वो इसी धीमी मौत का एक और उदाहरण है। सुप्रीम कोर्ट को कम नुकसानदायक पटाखों को जलाने की मंजूरी इसलिए देनी पड़ी क्योंकि दीपावली अब रोशनी, रंगों और मिठास से ज्यादा उस हिंदुत्व का त्योहार बन चुका है, जिसे अपने प्रचार के लिए कानफोड़ू शोर की जरूरत पड़ती है। न जाने किस तरह बहुतेरे हिंदुओं के दिमाग में यह बात भर दी गई कि दीपावली पर पटाखे जलाने से रोकना धर्म का अपमान है। कहने की आवश्यकता नहीं कि भाजपा का इस मुहिम में बड़ा योगदान रहा।

प्रधानमंत्री मोदी दुनिया को पर्यावरण संरक्षण का ज्ञान बांटते हैं, लेकिन अपनी पार्टी के लोगों और समर्थकों को यह नहीं समझा सकते कि धर्म की राजनीति चलती रहेगी, कम से कम त्योहार को इसमें बख्श दें। अगर आज मोदी लोगों से अपील करें कि वे पटाखे न जलाएं, दीए, कंदील जलाकर, रंगोली सजाकर दीवाली मना लें, तो उनके अनुयायी खुशी-खुशी इस बात को मानेंगे। जब बालकनी में आकर थाली पीट सकते हैं, तो ये काम भी कर ही सकते हैं।

मगर मोदी को भी ये डर है कि हिंदुत्व के नाम पर जिन लोगों को पूरी तरह गुमराह किया जा चुका है, वे इस बात को गलत तरीके से ले कर अपनी नाराजगी मोदी पर ही उतार सकते हैं। इसलिए भाजपा में अब पटाखों की नहीं, ग्रीन यानी हरित पटाखों की बात होती है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सुप्रीम कोर्ट का आभार माना है कि उसने इन पटाखों के लिए मंजूरी दी। शीर्ष अदालत ने सिर्फ नीरी (नेशनल एनवायरनमेंटल इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट) द्वारा प्रमाणित ग्रीन पटाखों की बिक्री और इश्तेमाल की अनुमति दी है। जो केवल 18 से 21 अक्टूबर तक के लिए दी गई है। अदालत ने साफ किया कि इस अवधि के बाद किसी भी प्रकार के पटाखों की बिक्री या इश्तेमाल पर प्रतिबंध जारी रहेगा।

अगर कोई विक्रेता या निर्माता इस आदेश का उल्लंघन करता पाया गया, तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश भी दिया गया है कि पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मिलकर विशेष निगरानी दल गठित करें। इन टीमों का काम यह सुनिश्चित करना होगा कि सिर्फ प्रमाणित ग्रीन पटाखों का ही निर्माण, बिक्री और उपयोग हो रहा है। अदालत ने पर्यावरणीय प्रदूषण को नियंत्रण में रखने के लिए पटाखे फोड़ने की समय सीमा सुबह 6 बजे से 8 बजे तक और शाम 8 बजे से 10 बजे तक तय की है। इन समय सीमाओं के बाहर किसी भी प्रकार के पटाखे फोड़ना प्रतिबंधित रहेगा।

यह पूरा आदेश सुनने में प्रभावशाली लगता है, लेकिन जमीन पर इसका असर शून्य बराबर होने की संभावना है। क्योंकि अभी से दिल्ली-एनसीआर में जमकर पटाखे फोड़े जा रहे हैं। अवैध तरीकों से बिक्री होने की खबरें हैं और प्रदूषण भी खतरनाक श्तर तक बढ़ चुका है।

पिछले साल भी ऐसा ही आलम था और लगातार कई सालों से यही होता आया है। इसलिए ग्रीन पटाखे दिल को खुश रखने के ख्याल से ज्यादा और कुछ मायने नहीं रखते। अघोषित तौर पर सब इस बात को जानते हैं कि ग्रीन पटाखों का लेबल लगाकर पारंपरिक पटाखे ही बेचे जाते हैं। क्योंकि लागत में ये सश्ते पड़ते हैं।

विशेष निगरानी दल बनाने से भी कुछ नहीं होगा, क्योंकि दीपावली के सामान से अटे पड़े बाजार में अब इस बात की जांच बेहद मुश्किल होगी कि कौन से सही में ग्रीन पटाखे हैं और कौन से नहीं। बल्कि इस जांच के नाम पर अवैध कमाई का एक और राश्ता खुल जाए तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए।

साल 2018 में भी सुप्रीम कोर्ट ने पारंपरिक पटाखों पर रोक लगाकर केवल ग्रीन पटाखों को अनुमति दी थी। तभी से बाजार में इस किस्म के पटाखे बिक रहे हैं। लेकिन बताया जाता है कि ग्रीन पटाखों के नाम पर सामान्य पटाखों की बिक्री ही धड़ल्ले से होती है।

जानकारी के लिए बता दें कि सामान्य पटाखों में बैरियम नाइट्रेट, सल्फर, एल्युमिनियम और पोटैशियम नाइट्रेट जैसे रसायन होते हैं जो जलने पर जहरीली गैसें छोड़ते हैं। ग्रीन पटाखों में इन्हीं रसायनों की मात्रा कम रखी जाती है या कुछ जगह उनके स्थान पर कम हानिकारक यौगिकों का इश्तेमाल किया जाता है। इन्हें भारत सरकार की वैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान सीएसआईआर (वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद) और नीरी (राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान) ने विकसित किया है, ताकि पारंपरिक पटाखों से 30 प्रतिशत तक कम प्रदूषण हो।

यानी प्रदूषण हर सूरत में होना ही है, भले उसका प्रतिशत कुछ कम हो जाए। अगर पचास-सत्तर प्रतिशत तक प्रदूषण घटता तो फिर थोड़ी उम्मीद भी बंधती, लेकिन 30 प्रतिशत से कुछ असर नहीं पड़ेगा। यहां यह बताना भी जरूरी है कि जहरीली गैसें भले ग्रीन पटाखों से कम निकलें, लेकिन शोर तो उतना ही रहेगा। ग्रीन पटाखों का शोर 110 से 125 डेसिबल तक दर्ज किया गया है जबकि कानूनी सीमा 90 डेसिबल है। बच्चों और बुजुर्गों के लिए इसका शोर भी उतना ही हानिकारक है जितना पुराने पटाखों का था।

मध्यप्रदेश सरकार के लिए गहरी नींद से जागने का समय

एल.एस. हरदेनिया

घटनाएं होती रहीं और सरकार सोती रही, आखिर कौन है जिम्मेदार

मध्यप्रदेश का यह दुर्भाग्य है कि यहां पर कुछ ऐसी घटनाएं हुई हैं जो अप्रत्याशित तो थीं परंतु उन्हें थोड़ी सी सावधानियों से रोका जा सकता था। इसी तरह की घटनाओं की श्रृंखला में खांसी के सिरप में गड़बड़ी के चलते कई बच्चों की मौत होने की घटना भी शामिल हो गयी है।

एक समाचार पत्र ने मध्यप्रदेश की इस स्थिति पर कमेंट करते हुआ लिखा कि इन घटनाओं से यह सिद्ध होता है कि सरकारें प्रायः गहरी नींद में सोई रहती है। वह तब तक नहीं उठती जब तक कि कोई बड़ा हादसा उन्हें झकझोर न दे। जनता को ही हर बार इसका खामियाजा भुगताना पड़ता है।

इस तरह की घटनाओं में दो साल पहले गुना में एक बस में आग लगने की घटना भी थी जिसमें 13 लोग जिंदा जल गए थे। तब सरकार की आंख खुली और बसों की चेकिंग शुरू की और देखा गया कि बसों में आपातकालीन सुविधा है कि नहीं। बाद में पता लगा कि इस तरह का इंतजाम उस बस में नहीं था जिसमें 13 लोग जल गए थे। बाद में जांच हुई कि बसों में एन्ट्री और एक्जिट के अलग-अलग दरवाजे हैं या नहीं। इसी श्रृंखला में एक साल पहले हरदा में पटाखा फैक्ट्री में धमाका भी था जिसमें 13 लोगों की जानें गईं। तब जाकर पूरे देश में पटाखों की दुकानों की चेकिंग शुरू हुई। ऐसा लगा कि मानो हर पटाखे की दुकान पर कोई संतरी बैठा दिया गया हो।

इस वर्ष फिर दिवाली आ रही है। परंतु अभी तक जो दुकानें लगने वाली हैं और जो फैक्टरियां हैं उनकी कोई जांच नहीं हुई है। लगता है पटाखा फैक्टरी में हुए हादसे में 13 लोगों की जानें गई थीं उसको भुला दिया गया है। कुछ दिन पहले खंडवा में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के लिए जाते समय ट्रैक्टर-टाली पलटी थी। उस हादसे में 13 लोग मारे गए थे। फिर जांच शुरू हुई कि ट्रेक्टरट्राली में कितने लोग सवार थे। सच पूछा जाए तो ट्राली इंसानों की आवाजाही के लिए नहीं है। ट्राली तो अनाज या इस तरह की अन्य चीजों के परिवहन के लिए होती है।

इसी तारतम्य में एक और घटना अभी हाल में हुई जिसमें खांसी की दवा जहरीली पाई गई। अभी तक 24-25 बच्चों की मृत्यु हो गई है। इस संबंध में कुछ प्रश्न उठ रहे हैं जिनका जवाब देना बहुत मुश्किल हो रहा है। तमिलनाडु में बनी यह दवा अनेक राज्यों को पार करके मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में क्यों पहुंची? वे कौन दुकानदार थे जो इस दवाई को आयात करते थे? फिर अकेला छिंदवाड़ा जिला क्यों? ज्यादा मौतें छिंदवाड़ा जिले में ही क्यों हुई हैं?

कौन था इसके पीछे? बताया गया है कि उस खांसी की दवाई में जो खतरे हैं उनको कुछ दिनों पहले बता दिया गया था। किसने बताया था? कहां बताया था? फिर डाक से दवाओं के सैंपल जांच के लिए क्यों भेजे गए? डाक हमारे देश की सबसे सोती हुई संस्था है। जिसमें बीमार आदमी की सूचना उस समय तक पहुंचती है जब वह मर जाता है।

आगमन की सूचना उस समय पहुंचती है जब अतिथि कई दिनों रहने के बाद अपने घर वापिस पहुंच जाता है। तमिलनाडु सरकार देश की बहुत ही स्मार्ट सरकारों में से एक है। वहां यह फैक्टरी कैसे चलती रही यह सवाल है? परंतु इस बात को मानना पड़ेगा कि जब तमिलनाडु सरकार को इसकी सूचना मिली तो उसने एक दिन में जांच करके यह पता लगा लिया कि दवा में जहर मिला हुआ था।

उसके अगले दिन मध्यप्रदेश सरकार की जांच में भी वही बात निकली। सवाल यह है कि पूरा प्रदेश कह रहा था कि दवा पर शक है तो सरकार ने क्यों कहा कि अभी जांच चल रही है। जांच तो चलती रहती पर उसके पहले उस दवा को प्रतिबंधित कर देना चाहिए था। फिर उन डाक्टरों को इसके लिए जिम्मेदार बनाया गया जिन्होंने इस दवा के नुस्खे लिखे। पता लगा कि जिस डाक्टर ने यह दवा बच्चों की बीमारी के लिए सिफारिश की थी उसकी दुकान उस डाक्टर की पत्नी की थी। यानी दवाई को लिखने वाला भी वही, बेचने वाला भी वही। यह एक पारिवारिक उद्योग चल रहा था। डॉक्टरों के संगठन का कहना है कि यह डॉक्टरों की जिम्मेदारी नहीं है।

परंतु प्रश्न यह उठता है कि क्या हमारे देश में कोई ऐसा मेकेनिज़्म है जिससे दवाईयों के बीमार के पास पहुंचने से पहले यह सुनिश्चित हो सके कि उस दवाई में कोई हानिकारक चीज मिली हुई तो नहीं है?सैंकड़ों दवाइयों की फैक्टरियां हमारे देश में ऐसी हैं जिनका अशितत्व ही संदेह पर टिका हुआ है। कौन इन दवाईयों को स्वीकृति देता है। इन दवाईयों को चलाने वाले कौन हैं? दवाई में जहर की मिलावट के परिणाम के बाद अब यह आदेश जारी किया गया है कि दवाईयां अब वह दुकानदार ही बेच सकेंगे जिनके पास ट्रेंड फार्मासिस्ट होंगे। परंतु यह आदेश निकालने में इतना समय क्यों लगा? इसमें किसकी जिम्मेदारी है? मंत्री श्तर की, या अधिकारी श्तर की। परंतु जो 24 जानें चली गई हैं उसकी भरपाई तो नहीं हो पाएगी।

जहां मध्यप्रदेश में इस तरह की गैरकानूनी गतिविधि संभव हो सकी, वहीं मध्यप्रदेश की एक और विशेषता है। वह यह है कि लगता है कि राज्य भ्रष्टाचारियों के लिए हरित भूमि है। समाचार पत्रों में हर दिन किसी न किसी ऐसी घटना का उल्लेख होता है जो अत्यधिक गैरकानूनी है। परंतु वह धड़ल्ले से चल रहा है। ऐसा ही भ्रष्टाचार का एक अत्यधिक निम्न श्रेणी का उदाहरण अभी मिला है।

लोक निर्माण विभाग के एक अधिकारी का पता चला जिन्होंने अपनी सरकारी नौकरी के दौरान करोड़ो रुपए कमाए। जांच के बाद इस अधिकारी के घर में लाखों रुपए, सोना-चांदी, मकानों की रजिस्ट्रियां इत्यादि मिले। चौंकाने वाली बात पता लगी कि इस अधिकारी के फार्म हाउस में 2 किमी की सीमेंट रोड बनी हुई है। यह रोड किसने बनाई?

लोकायुक्त पता लगा रहा है कि इस रोड को किसने बनाया है। क्या इस अधिकारी ने किसी कान्ट्रेक्टर पर दबाव बनाने के बाद सड़क बनवाई? लोकायुक्त पुलिस ने 2 अक्टूबर को इसके चार ठिकानों पर एक साथ छापा मारकर करीब 10 करोड़ से अधिक की संपत्ति का खुलासा किया है, जिसमें करीब 36 लाख रुपए नगद, 2649 ग्राम सोना, 5203 ग्राम चांदी, एक फैक्टरी और फर्म के दश्तावेज इत्यादि शामिल हैं। इसके अलावा उसने अनेक मकान बनाए हैं। उन मकानों की संख्या अभी पता नहीं लग पाई है। लोकायुक्त की टीम को उनके भोपाल स्थित बंगले से 15 पासपोर्ट मिले हैं। वे सभी उनके और परिवार के सदस्यों के नाम पर हैं। पुलिस का कहना है कि इतनी संख्या में पासपोर्टों का मिलना भी संदेहास्पद है।

हाल ही में एक सनसनीखेज खबर सामने आयी है। उस खबर के अनुसार मध्यप्रदेश की सरकार ने एक ऐसी कंपनी को 476 करोड़ का प्रोजेक्ट दिया है जिसे गुजरात में ब्लैक लिस्ट कर दिया गया है। इस कंपनी को यह प्रोजेक्ट इस शर्त के साथ दिया गया कि उसे 2028 में होने वाले उज्जैन के सिंहस्थ के पहले तैयार करना है। परंतु एक ऐसी कंपनी जिसे एक राज्य में अनेक गलत काम करने के कारण प्रतिबंधित कर दियागया हो, उसी कंपनी को क्यों इतना बड़ा ठेका दिया गया है? बताया गया है कि उसने यह ठेका अपने पुराने कारनामों को छुपाने के बाद हासिल किया है। क्या सरकार के पास ऐसा तरीका नहीं था कि इस कंपनी कीक्या पृष्ठभूमि है यह ज्ञात हो, और क्या यह समाचार पत्रों में खबरें प्रकाशित कर नहीं जाना जा सकता था?

इस तरह के अनेक घपलों की खबरें हर दिन आ रही हैं। लोकायुक्त की टीम क्या कर रही है? वह क्यों भ्रष्टाचार नहीं रोक पाई है? आखिर मध्प्रदेश में ऐसा कौनसा वातावरण है कि जो लोगों को, अधिकारियों को इतना बड़ा भ्रष्टाचार करने के लिए सुविधा मुहैया करवाती है। इनमें कौन शामिल हैं? क्या मंत्री शामिल हैं? क्या अधिकारी शामिल हैं? या अन्य राजनैतिक नेता शामिल हैं? यह एक जांच का विषय है।

इसके अलावा मध्यप्रदेश की एक और विशेषता है। यहां पर अंधविश्वास के अनेक कारनामे नजर आते हैं। मध्यप्रदेश आदिवासियों की सबसे अधिक आबादी वाला राज्य है। यहां पर आए दिन अंधविश्वास से संबंधित अनेक घटनाएं होती हैं। उन पर रोक लगाने के लिए अभी तक कोई प्रभावशाली कदम नहीं उठाए गए हैं। आए दिन अंधविश्वास की घटनाएं समाचारपत्रों में प्रकाशित होती रहती हैं।

अंधविश्वास के नाम पर एक युवती को चुड़ैल बताकर यातनाएं देने का अत्यधिक वीभत्स घटना हुई है। दुख की बाद है कि इस घटना में एक महिला भी शामिल थी जो हाथ में तलवार लेकर झाड़-फूंक करती थी। उसी के कहने पर एक युवती को बंधक बनाकर जंजीर से पीटा गया। हथेलियों पर गर्म कोयले रखकर जलाया गया। चूल्हे पर सिक्का गरम कर उस पर चिपकाया गया।

इस सबसे वह बेहोश हो गई परंतु उसके बाद भी जुल्म जारी रहे। बाद में किसी तरह वह महिला इन यातना देने के वालों के चंगुल से भाग निकली और उसने महिला थाने में रिपोर्ट की। जिसके फलस्वरूप तीन आरोपियों को गुरूवार रात और बाकी पांच को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों में अनेक महिलाएं और पुरूष शामिल थे। पीड़ति 22 वर्ष की यह महिला अपने ही रिश्तेदारों के द्वारा बंधक बनाई गई थी और उसे झाड़फूंक के नाम पर जला कर यातनाएं दी जा रही थीं।

स तरह की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए कई याचिकाएं सरकार को भेजी गईं थीं परंतु अभी तक इस ओर कोई कदम नहीं उठाया गया है। यहां यह बताना आवश्यक है कि देश के 9 राज्यों में अंधविश्वास को प्रतिबंधित करने के लिए कानून बने हैं। परंतु आदिवासियों के बीच इस तरह की घटनाएं आए दिन हो रही हैं। उनको प्रतिबंधित करने के लिए कानून के अलावा चेतना फैलाने की आवश्यकता है।

इन नकारात्मक खबरों के साथ एक सुखद खबर भी मध्यप्रदेश से आ रही है, वह यह है कि मध्यप्रदेश के तीन जिलों बालाघाट, अलीराजपुर और मंडला में स्कूलों में बच्चियों की संख्या ज्यादा है और वे इस बात की प्रतीक हैं कि इन तीनों जिलों में पुरूषों के अनुपात में महिलाओं की संख्या ज्यादा है।

यह एक सुखद खबर है। यह बताना यहां पर आवश्यक है कि ये तीनों जिले मुख्य रूप से आदिवासी जिले हैं और उसके बावजूद वहां बहुत प्रभावी काम हुआ है।

पराली जलाने की आग में झुलसता उत्तर भारत

डॉ. प्रियंका सौरभ

हर वर्ष जब धान की कटाई का मौसम आता है, तब पंजाब और हरियाणा के खेतों से उठने वाला धुआँ आसमान को धुंध से भर देता है। यह केवल खेतों की आग नहीं होती, बल्कि भारत की कृषि नीति, आर्थिक असमानता और पर्यावरणीय असंतुलन की जलती हुई तस्वीर होती है। दिल्ली तथा उसके आस-पास के क्षेत्र इस धुएँ से ढक जाते हैं और वायु गुणवत्ता अत्यंत गंभीर श्तर तक पहुँच जाती है। कानूनी रूप से पराली जलाना प्रतिबंधित है, फिर भी किसान इसे हर साल दोहराते हैं क्योंकि इसके पीछे अनेक सामाजिक और आर्थिक कारण जुड़े हैं।

पराली जलाने का मूल कारण खेतों में बचा हुआ धान का ठूँठ होता है। जब धान की फसल कट जाती है, तब खेत में रह गए अवशेष को हटाने के लिए किसानों के पास न समय होता है न साधन। पंजाब और हरियाणा की कृषि व्यवस्था मुख्य रूप से धान और गेहूँ पर आधारित है। सन 1960 के दशक की हरित क्रांति ने इन राज्यों को देश का अन्न भंडार तो बना दिया, परंतु कृषि को एकरूपी और जल-प्रधान भी बना दिया।

भूजल के अत्यधिक दोहन को रोकने के लिए सन 2009 में पंजाब में "उप-जल संरक्षण अधिनियम" लागू किया गया, जिसके अंतर्गत धान की रोपाई जून के अंत तक करने का निर्देश दिया गया ताकि मानसूनी वर्षा का लाभ लिया जा सके। परिणामस्वरूप धान कटाई और गेहूँ की बुवाई के बीच केवल दस से बीस दिन का अंतर रह गया। इतने कम समय में किसान पराली को एकत्रित या सड़ाकर खेत तैयार नहीं कर सकते, इसलिए वे सबसे तेज़ और सश्ता उपाय-जलाना-चुन लेते हैं।

दूसरा बड़ा कारण आर्थिक है। पराली हटाने या निपटाने के लिए जो मशीनें चाहिए-जैसे सुपर स्ट्रॉ प्रबंधन प्रणाली, हैप्पी सीडर, बेलर या रोटावेटर-वे अत्यंत महँगी हैं। छोटे और सीमांत किसान जिनकी जोत तीन हेक्टेयर से भी कम है, वे इन मशीनों को खरीदने या किराए पर लेने में असमर्थ हैं। उदाहरण के लिए, हैप्पी सीडर का किराया लगभग दो से तीन हज़ार रुपये प्रति एकड़ पड़ता है, जबकि पराली जलाने में केवल माचिस और थोड़े डीज़ल का खर्च आता है।

यही व्यावहारिकता इस समस्या को गहराई तक जकड़े हुए है। तीसरा कारण पराली का कम उपयोग मूल्य है। पंजाब और हरियाणा में बोई जाने वाली अधिकतर धान की किस्में साधारण होती हैं, जिनमें सिलिका की मात्रा अधिक होती है। ऐसी पराली पशु चारे के रूप में प्रयोग योग्य नहीं होती और न ही इससे जैव ईंधन या खाद आसानी से बनाई जा सकती है।

पूर्वी भारत के राज्यों में धान की पराली पशुओं के चारे के रूप में प्रयोग में आती है, परंतु पंजाब-हरियाणा में यह उपयोग सीमित है। इसीलिए यहाँ पराली किसानों के लिए किसी आर्थिक लाभ का साधन नहीं बन पाती।

चौथा कारण है श्रम की कमी और जोत का विखंडन। प्रवासी मजदूरों की संख्या घट रही है, और छोटे खेतों में मशीनरी लगाने की क्षमता नहीं है। समय की कमी और श्रमिकों के अभाव में किसान अगली फसल बोने की जल्दी में पराली को जला देते हैं। सामाजिक दृष्टि से भी पराली जलाना वर्षों से एक स्वीकृत प्रक्रिया बन चुकी है। किसानों को यह लगता है कि खेत की सफ़ाई का यही सबसे आसान और पारंपरिक तरीका है।

कानूनों और जुर्मानों के बावजूद यह प्रथा इसलिए जारी है क्योंकि प्रवर्तन ढीला है और राजनीतिक दबावों के कारण प्रशासन कठोर कार्रवाई नहीं कर पाता। वर्ष 2023 में पंजाब में लगभग साठ हज़ार पराली जलाने की घटनाएँ दर्ज की गईं, जबकि जुर्माना और निगरानी दोनों व्यवस्था में थे।

अब प्रश्न यह है कि इस समस्या का स्थायी समाधान क्या हो सकता है?

स्पष्ट है कि केवल प्रतिबंध या दंड इस समस्या को समाप्त नहीं कर सकते। आवश्यक है कि ऐसी रणनीति अपनाई जाए जो किसान की आजीविका और पर्यावरण संरक्षण दोनों को साथ लेकर चले। पहला समाधान है फसल विविधीकरण। पंजाब और हरियाणा की भूमि लगातार धान-गेहूँ चक्र से थक चुकी है। जल श्तर भी नीचे जा रहा है। अतः मक्का, दलहन, तिलहन और बागवानी फसलों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इन फसलों के लिए यदि सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य, बीमा सुरक्षा और निश्चित खरीद सुनिश्चित करे तो किसान धीरे-धीरे धान पर निर्भरता कम कर सकते हैं। हरियाणा की "भावांतर भरपाई योजना" इस दिशा में एक अच्छा उदाहरण है, जिसमें किसानों को मूल्य अंतर की भरपाई दी जाती है।

दूसरा समाधान है यंत्रीकरण और साझा संसाधन। किसानों को मशीनें साझा उपयोग के लिए उपलब्ध कराई जाएँ। पंचायत या सहकारी समितियों के श्तर पर "कस्टम हायरिंग केंद्र" स्थापित हों, जहाँ से किसान कम किराए पर हैप्पी सीडर या सुपर स्ट्रॉ प्रबंधन प्रणाली जैसी मशीनें ले सकें। केंद्र सरकार की "फसल अवशेष प्रबंधन योजना" के अंतर्गत पंजाब और हरियाणा में एक लाख से अधिक मशीनें बाँटी गई हैं, पर इनकी पहुँच सभी किसानों तक नहीं हो पाई है। यदि हर गाँव में सामुदायिक यांत्रिक केंद्र बने, तो किसान पराली जलाने से बचेंगे।

तीसरा उपाय है पराली का औद्योगिक उपयोग। पराली को कचरा न मानकर एक संसाधन के रूप में देखा जाए। इससे जैव ऊर्जा, एथेनॉल, कागज़, पैकेजिंग और निर्माण सामग्री तैयार की जा सकती है। उदाहरण के लिए, भारतीय तेल निगम की पानीपत जैव रिफाइनरी प्रतिवर्ष लगभग दो लाख टन पराली से एथेनॉल बनाती है। यदि इस प्रकार की परियोजनाएँ हर जिले में स्थापित हों तो पराली किसानों के लिए आय का स्रोत बनेगी और जलाने की आवश्यकता कम होगी। सरकार को परिवहन सहायता, खरीद अनुबंध और स्थायी बाज़ार उपलब्ध कराने की नीति बनानी चाहिए।

चौथा कदम होना चाहिए कृषि-पर्यावरणीय समय निर्धारण। धान की छोटी अवधि वाली किस्में जैसे पी.आर.-126 या डी.आर.आर. धान-44 अपनाने से किसानों को फसल कटाई और बुवाई के बीच कुछ अतिरिक्त दिन मिल सकते हैं। इस समय का उपयोग पराली प्रबंधन में किया जा सकता है। इसके साथ-साथ परिशुद्ध कृषि यानी सटीक तकनीकी साधनों का प्रयोग, जल-सिंचाई प्रणाली में सुधार और जैविक खाद उपयोग से भी पर्यावरणीय लाभ मिलेगा। पाँचवाँ, सामुदायिक प्रोत्साहन और जनजागरूकता।

पराली न जलाने वाले किसानों को आर्थिक प्रोत्साहन दिया जाए, गाँव श्तर पर प्रतियोगिता आयोजित हो और "शून्य दहन ग्राम" घोषित किए जाएँ। दिल्ली, पंजाब और हरियाणा में "पुसा डीकंपोजर" नामक जैविक घोल के प्रयोग से पराली को खेत में ही खाद में बदला जा रहा है।

यदि इस तकनीक को बड़े पैमाने पर अपनाया जाए तो पराली जलाने की आवश्यकता नहीं बचेगी। छठा, प्रशासनिक तालमेल और नीति-समन्वय। केंद्र तथा राज्य सरकारों के बीच सामंजस्य होना चाहिए ताकि कृषि, पर्यावरण और ऊर्जा विभाग एक साझा योजना के अंतर्गत काम करें। पराली प्रबंधन को ग्रामीण रोजगार योजना, जैव ऊर्जा मिशन और जलवायु परिवर्तन कार्यक्रमों से जोड़ा जा सकता है। उदाहरण के लिए, मनरेगा के अंतर्गत पराली एकत्रीकरण या जैव खाद इकाइयों में कार्य को रोजगार से जोड़ा जा सकता है।

सातवाँ, शहरी-ग्रामीण सहभागिता भी इस दिशा में उपयोगी होगी। दिल्ली जैसे महानगर जहाँ प्रदूषण का सबसे अधिक प्रभाव होता है, उन्हें अपने सामाजिक उत्तरदायित्व निधि के माध्यम से पंजाब-हरियाणा के किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान करनी चाहिए। इससे प्रदूषण के स्रोत और पीड़ित क्षेत्र के बीच साझा जिम्मेदारी की भावना विकसित होगी।

इसके साथ-साथ तकनीकी निगरानी प्रणाली को भी सशक्त बनाना चाहिए। उपग्रह आधारित आँकड़ों से पराली जलाने की घटनाओं की त्वरित जानकारी मिल सकती है, जिससे स्थानीय प्रशासन समय रहते हश्तक्षेप कर सके। परंतु यह हश्तक्षेप केवल दंडात्मक न होकर सहयोगात्मक होना चाहिए। इन सभी उपायों का उद्देश्य यह है कि किसान को दोषी नहीं बल्कि भागीदार बनाया जाए। किसान पराली इसलिए जलाते हैं क्योंकि उनके पास व्यावहारिक विकल्प नहीं हैं। जब उन्हें ऐसे विकल्प मिलेंगे जो सश्ते, लाभकारी और पर्यावरण के अनुकूल हों, तो वे स्वयं इस समस्या के समाधान का हिस्सा बनेंगे।

अंततः यह समझना होगा कि पराली जलाना केवल पर्यावरणीय संकट नहीं बल्कि सामाजिक-आर्थिक असंतुलन का परिणाम है। इसे रोकने के लिए किसानों के कल्याण, नीति सुधार और तकनीकी समर्थन का समन्वय आवश्यक है। यदि पराली को ऊर्जा, उद्योग और जैविक खाद के रूप में उपयोग में लाया जाए, तो यह प्रदूषण का कारण नहीं बल्कि विकास का साधन बन सकती है। पराली जलाने की समस्या का समाधान केवल प्रतिबंधों और दंड से नहीं, बल्कि संवेदनशील नीति, किसानों की सहभागिता और तकनीकी नवाचार से निकलेगा। जब फसल विविधीकरण, यंत्रीकरण, पराली का औद्योगिक उपयोग और सामुदायिक प्रोत्साहन एक साथ काम करेंगे, तब ही स्वच्छ वायु और सुरक्षित कृषि दोनों संभव होंगी। यह संतुलन ही उत्तर भारत को पराली की आग से मुक्त करने और टिकाऊ कृषि विकास की दिशा में अग्रसर करने का एकमात्र मार्ग है।

केबीसी का चर्चित एपीसोड- अनुशासन भूलता बचपन! अति आत्मविश्वास आखिर क्यों?

आयुषी दवे

भारत के बेहद लोकप्रिय टीवी शो कौन बनेगा करोड़पति का एक चर्चित एपीसोड काफी सुर्खियों में है। इसमें बच्चे का अति आत्मविश्वास शुरू में तो सबको खूब भाया लेकिन शो आगे बढ़ने के साथ, जवाब देने के तरीके ने सबको हैरान किया। बच्चों के एक एपीसोड में 10 साल के बच्चे ने अमिताभ बच्चन को नियम समझाने और विकल्प न बताने की न केवल हिदायत दी बल्कि अपनी अति आत्मविश्वासी छवि पेश कर कुछ देर के लिए बोलती भी बंद कर दी।

हालाकि थोड़े ही सवालों के बाद वह खेल से बाहर हो गया लेकिन बच्चा जितनी देर रहा, कई अनसुलझे सवालों को छोड़ गया। शो को नियमित देखने वालों और इस बारे में सुनने वालों में इसकी काफी चर्चा है| कुछ इसे बच्चे के अहम तो कुछ शिष्टाचार से जोड़कर देखते हैं। तमाम तरह की आलोचनाओं के बावजूद बच्चे के समर्थन में भी कुछ सामने आए। हालांकि कई का यह भी मानना है कि ऐसे एपीसोड केबीसी को नहीं दिखाना था। टीआरपी और प्रतिस्पर्धा की होड़ में एक्सीडेण्टली बैठे बिठाए हाथ आए ऐसे मामले भला प्रसारण कंपनी क्यों छोड़े? निश्चित रूप से बच्चे के प्रति तरह-तरह के कमेण्टस आने का सिलसिला जल्द थमने वाला नहीं। लेकिन विचारणनीय यह है कि इसका बच्चे की मनःस्थिति पर कैसा और कितना गहरा असर पड़ेगा? संभव है कि जल्द इस पर डिबेट्स का दौर भी शुरू हो जाए।

लेकिन गंभीरता से सोचना होगा कि आखिर बच्चे ने ऐसा व्यव्हार क्यों किया? शो के दौरान बीच-बीच में बच्चे के जवाब देने के अनुचित तरीके से उसके माता-पिता भी असहज दिखे। ऐसा लगा कि ऐसी वार्तालाप बच्चे की दिनचर्या का अंग ही है। बच्चे के लिए भले यह नया न हो और आम हो लेकिन क्या यह सही है? इस पर मनोवैज्ञानिक और मनोचिकित्सकों का ध्यान स्वाभाविक है। इस तरह की प्रवृत्ति कैसे रुके, गहन मंथन का विषय है। टीवी में ऐसे कार्यक्रम आएं न आएं यह नियामकों का जिम्मा है। लेकिन दस साल के बच्चे के व्यव्हार से ढ़ेरों सवाल जरूर उठ खड़े हुए हैं। आज की आपाधापी और भागदौड़ भरी जिंदगी में बच्चों को अभिभावक कितना वक्त दे पाते हैं? वो संस्कार कहां गुम हो गए जिसके लिए भारत दुनिया में जाना जाता है? पश्चिमी सभ्यता इतना सर चढ़ बोल रही है कि पहले फटी जींस और अब फटे शर्ट की फैशन हमारी आत्ममुग्धता है? बच्चों का बदलता व्यव्हार, उनमें रूखापन और अतिविश्वास क्यों है? इस पर मनोविज्ञानिकों की राय को भी देखना होगा जो बताते हैं कि ऐसे व्यव्हार का कारण कहीं ना कहीं बच्चे का विकासात्मक असंतुलन है| जिस बच्चे को लेकर यह शुरुआत हुई है वह जेन अल्फा से ताल्लुक रखता है। यह सबसे तेज और सबसे हाईटेक पीढ़ी मानी जाती है| 2010 से 2024 के बीच पैदा यह, वह पहली पीढ़ी है जो पूरी तरह से 21वीं सदी में जन्मीं है। जन्म से ही तकनीक, स्मार्टफोन और टैबलेट के साथ पले-बढ़े ये बच्चे पूरी तरह डिजिटल और सायबर परिवेश में रहते हैं। यही नए डिजिटल युग के असल प्रतिनिधि कहे जा सकते हैं। तेजी और हाजिर जवाबी इनकी पहचान है। इनके लिए, सब कुछ तुरंत होता है जैसे जवाब, खेल, प्रशंसा और ध्यान।

ऐसी प्रवृत्ति के भयावह दुष्परिणामों के बारे में सोचे बिना हम अपनी पीढ़ी को कहां ले जा रहे हैं? इस पर कौन सोचेगा? क्या हम, आप इस गति या तेजी की कीमत समझते हैं? उनके मशिष्क का फ्रंटल लोब, जो निर्णय लेने, धैर्य और भावनात्मक नियंत्रण के लिए ज़िम्मेदार है, बहुत धीमा विकसित हो रहा है। इनमें एक स्पष्ट पैटर्न दिखता है। इनमें विचारों में तेजी तो काम पर नियंत्रण कम रहता है। इनके व्यव्हार से मशिष्क का असंतुलन भी झलकता है। इसे तंत्रिका-विकासात्मक विकार कहते हैं जो ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई, अतिसक्रियता और आवेग जैसी समस्याओं का कारण बनता है। यह मशिष्क की वह स्थिति है जो बच्चों और किशोरों में उनके स्कूल, घर, रिश्तों में दैनिक कामकाज को प्रभावित कर सकती है। यह वयस्कता तक बनी रहती है। इसे एडीएचडी यानी अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर कहते हैं। वहीं यह एक तरह का ओडीडी यानी ऑप्जिशनल डिफिएंट डिसऑर्डर है। यह भी व्यवहार संबंधी विकार है जिससे बच्चों में लगातार अवज्ञाकारी, असहयोगी और शत्रुतापूर्ण व्यवहार झलकता है। बच्चे दूसरों के साथ बहस करते हैं, नियमों का पालन करने से इनकार करते हैं और चिड़चिड़े होते हैं। यदि यह व्यवहार लंबे समय तक बना रहता है, तो यह रिश्तों और दैनिक जीवन को गंभीर रूप से बाधित कर सकता है। दूसरों से बात करते समय बीच में बोलना या बीच में ही टोक देना, बेचैनी और इंतज़ार करने में असमर्थता, अतिसक्रियता, आवेग में आकर जवाब देना, अधिकार प्राप्त लोगों से बहस करना या उनका विरोध करना, जिद और मैं हमेशा सही हूँ वाला रवैया अपनाना, गलत होने पर भी गलतियाँ न मानना वो लक्षण हैं जो भावनात्मक असंतुलन दर्शाते हैं। ऐसी स्थितियों में भावनाएँ मशिष्क को नियंत्रित करती हैं, न कि मशिष्क भावनाओं को। इसमें बुद्धिमान दिखने खातिर आंतरिक दबाव और अपने डर को प्रभुत्व या आज्ञाकारी लहजे से छुपा लेना ठीक नहीं होता।

केबीसी के जिस एपीसोड से यह मुद्दा गर्माया, उसमें एक अहम बातचीत पर भी ध्यान जरूरी है जब बच्चा कहता है कि अगर मैं कम से कम 12 लाख नहीं जीता तो मुझे बताया गया कि आपके साथ फोटो नहीं खिंचवा सकता! यह कहना बेहतर प्रदर्शन के लिए उस पर दबाव और चिंता को बताता है। कहने की जरूरत नहीं कि वजह माता-पिता या सामाजिक अपेक्षाओं से जुड़ा दबाव है। अहम यह कि माता-पिता अपने बच्चे की बुद्धिमत्ता और जीत की तारीफ तो करते हैं लेकिन उसकी भावनाओं को नहीं समझते, शांत या धैर्यवान होना नहीं सिखाते।

वाश्तव में आपाधापी और प्रतिस्पर्धा में रात-दिन लगे माता-पिता भी तो उसी दौड़ में शामिल है जिसमें बच्चा है। भला क्या और क्या उम्मीद की जाए? समय से पहले गैर जरूरी मामलों में बच्चों की संलिप्तता और इसके लिए मददगार डिजिटल संसाधन पकड़ाना कितना उचित है? यह सवाल शुरुआत से बहस में रहा। लेकिन सवाल वही कि क्या हम वक्त से पहले अपने बच्चों को बिना सोचे, समझे बड़ा कर रहे हैं?

बचपना, मिट्टी में खेलने की आजादी, गांव, गलियां, गिल्ली डण्डा, गेड़ी चलना, लंगड़ी कूद, बोरा कूद, लुका-छिपी और तमाम पुराने पारंपिक खेल गायब होते जा रहे हैं। सबका स्थान मोबाइल और गेमिंग ने लेकर बच्चों को समय से पहले बड़ा और बूढ़ा जरूर बना दिया है। कितना अच्छा होता कि समय रहते ऐसी उच्छश्रृंखलता को रोक पाते? क्या फिर लौट पाएगा बच्चा, बचपन और अनुशासन और बच्चों का झुण्ड, आंगन में किलकारी, दौड़ना, कूदना, लड़ना और एक हो जाना! शायद लंबा इतंजार करना होगा, कितना? यह तो किसी को नहीं पता।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

खराब एसी बदलकर दे कंपनी या पैसा लौटाएगी

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷। खराब एसी को ठीक न करने पर कंपनी बदलकर नया देगी या 6 फीसदी ब्याज समेत पैसा लौटाना होगा। जिला उपभोक्ता आयोग ने एक मामले की सुनवाई के बाद एलजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को आदेश दिया है। आयोग के अध्यक्ष अनिल कुमार पुंडीर और सदस्य अंजु शर्मा ने सुनवाई की। सूरजपुर जनपद न्यायालय के अधिवक्ता सचिन तौंगड़ ने 30 अप्रैल 2024 को गामा-2 बंशी वाला स्टोर से एलजी कंपनी का एक एसी 36 हजार रुपये में खरीदा। एसी लगाने के बाद इनडोर यूनिट से पानी लीकेज होने लगा। इसको कर्मचारी ने ठीक नहीं किया। बाद में आकर ठीक करने का भरोसा देकर चला गया। दूसरे दिन आए कर्मचारी ने पीछे से पाइप हटा होना बताकर लगाकर चला गया। उसके बाद भी पानी की लीकेज जारी रही। कंपनी से ऑनलाइन शिकायत की। बार-बार शिकायत के बाद भी कंपनी समस्या दूर नहीं कर पाई। सुनवाई नहीं होने पर जिला उपभोक्ता आयोग में वाद दायर किया। सुनवाई के दौरान कंपनी की और से अपना पक्ष नहीं रखा गया। आयोग में एक पक्षीय सुनवाई की गई। कंपनी ने समस्या का समाधान न करके सेवा में कमी की है। आयोग ने शिकायत कर्ता को नया स्पलीट एसी 30 दिन में देने, अन्यथा एसी की धनराशि 36 हजार रुपये 6 फीसदी ब्याज समेत लौटाने का आदेश दिया है।

17 साल की लड़की घर से लापता

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷। कासना कोतवाली में 1 व्यक्ति ने अपनी 17 साल की बेटी के लापता होने का मामला दर्ज कराया है। पीड़ित मूलचंद निवासी गांव पचारा महोबा ने पुलिस को बताया कि वो औद्योगिक सेक्टर साइट-5 में रहते हैं। 15 अक्तूबर की देर रात 17 वर्षीय बेटी बिना किसी को बताए कहीं चली गई। परिवार के लोगों ने काफी तलाश किया, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। पुलिस ने बेटी को तलाश करने की गुहार लगाई है। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मामला दर्ज कर लड़की की तलाश की जा रही है।

कृषि राज्यमंत्री आज (कल) मण्डलीय गोष्ठी में करेंगे प्रतिभाग

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। राज्यमंत्री कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग उत्तर प्रदेश बलदेव सिंह औलख द्वारा नुमाइश मैदान स्थित कोहिनूर मंच पर आज अलीगढ़ एवं आगरा मण्डल की संयुक्त मण्डलीय रबी उत्पादकता गोष्ठी में प्रतिभाग किया जाएगा। संयुक्त कृषि निदेशक श्रवण कुमार ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि रबी अभियान के अन्तर्गत अधिक फसलोत्पादन के लिये मण्डलीय रबी उत्पादकता गोष्ठी में प्रमुख सचिव कृषि रविन्द्र एवं निदेशक कृषि डा0 पंकज त्रिपाठी के साथ ही दोनों मण्डल के सभी जिलों के कृषि व कृषि से सम्बद्ध विभागों के जनपद शतरीय अधिकारियों के साथ ही प्रगतिशील कृषकों द्वारा सहभागिता की जाएगी। उन्होंने बताया कि मण्डलीय रबी उत्पादकता गोष्ठी में निर्धारित एजेण्डानुसार विभिन्न विषयों एवं जनपदों में रबी के लिये तैयार की गयी रणनीति पर समीक्षा की जायेगी और कृषि वैज्ञानिकों द्वारा कृषि की नवीनतम जानकारियां दी जाएंगी।

व्यापारी उत्पीड़न को रोकने के लिए होना होगा सशक्त :प्रदीप गंगा

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। उधोग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष व जिलाध्यक्ष प्रदीप गंगा द्वारा महानगर अध्यक्ष आलोक प्रताप सिंह की संश्तुति पर सिविल लाइन क्षेत्र व्यापार मंडल का अध्यक्ष नईम अहमद पार्षद को वनाया तथा अमीर निशां मार्केट व्यापार मंडल का अध्यक्ष मोहम्मद आसिम , महामंत्री जिहान अहमद, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अकील अहमद, दानिश चौधरी उपाध्यक्ष मो. यासीन हवीव,नदीम खान, सैयद अली जाफरी कोषाध्यक्ष तारिक अनवर, संगठन मंत्री इलयास को मनोनीत किया है। जिलाध्यक्ष प्रदीप गंगा ने कहा कि सम्पूर्ण सिविल क्षेत्र में नईम अहमद पार्षद को अध्यक्ष बनाकर जिम्मेदारी दी गई है कि वह सिविल लाईन क्षेत्र में आने वाले सभी बाजारो की इकाईयों का गठन कराएंगे जिससे व्यापार मंडल और अधिक सशक्त रूप से व्यापारियों की समस्याओं का निराकरण करा सकें। व्यापारी अपनी एकता के वल पर हर प्रकार के सरकारी उत्पीड़न से निजात पा सकता है। प्रैस वार्ता में प्रदेश वरिष्ठ मंत्री प्रमोद कुमार सिंह,जिला महामंत्री एम ए खान गांधी,राकेश लीडर, युवा मंडल अध्यक्ष दुर्वेश वार्ष्णेय महानगर वरिष्ठ महामंत्री कौशल सिंह, अमित सारस्वत आदि थें।

प्रतिबंधित प्लास्टिक को कराया नष्ट

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। पिछले दिनों जीएसटी विभाग और नगर निगम की संयुक्त कार्रवाई में ताला नगरी में ज़ब्त किए गए प्लास्टिक ट्रक पर कार्रवाई करते हुए 14670 किलो प्रतिबंधित प्लास्टिक को नगर निगम ने अपने ए टू ज़ेड प्लांट में नष्ट कराया। सहायक नाराज वीर सिंह के नेतृत्व में नगर निगम की कार्रवाई के दौरान अवैध पॉलिथीन भंडारण के दोषी पर 25,000 का जुर्माना लगाया गया। तत्पश्चात, नगर निगम के प्रवर्तन दल ने जब्त की गई समश्त अवैध पॉलिथीन को विधिवत रूप से ए टू ज़ेड प्लांट में ले जाकर निश्तारित कराया। निश्तारण की प्रक्रिया खाद्य निरीक्षक अनिल सिंह एवं खाद्य निरीक्षक बिशन सिंह की देखरेख में संपन्न कराई गई। नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश सिंह ने कहा शहर में प्रतिबंधित सिंगल यूज़ प्लास्टिक के खिलाफ अभियान निरंतर जारी रहेगा।

अमृत तुलय स्पेशल टी स्टाल का चेयरमैंन संघ के जिला अध्यक्ष शाह नवाज़ खलील ने किया उद्घाटन

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। नगर में अब अमृत तुल्य स्पेशल चाय का लुफ्त स्थानीय लोग उठा सकेंगे। मोहल्ला नूर सराय निकट नगीना पार्क के ठीक सामने अमृत तुल्य स्पेशल टी स्टॉल के नाम से एक दुकान प्रारंभ हो गई है। चेयरमैन संघ के जिला अध्यक्ष शेख शाहनवाज खलील ने फीता काटकर विधिवत टी स्टॉल का उद्घाटन किया। इस मौके पर टी स्टाल के स्वामी बिलाल कुरैशी ने बताया कि उनके यहां की अमृत तुल्य स्पेशल चाय का पूरा स्वाद ग्राहकों को मिलेगा। इस मौके पर नफीस अहमद, शेख़ मोहम्मद बिलाल, नसीम कुरैशी, जीशान कुरैशी, मोहम्मद मोनू,मतलूब कुरैशी, छोटे कुरैशी, शिराज़ अहमद, तल्हा अहमद, तारिक़ मुल्तानी, शेख़ जमशेद, मुनीर आलम, लारा प्रधान, तफसीर अहमद आदि मौजूद रहे।

इस वर्ष पांच नहीं, छह दिन तक मनाया जाएगा दीपोत्सव

लखनऊ, एजेंसी। पांच दिवसीय दीपोत्सव पर्व इस बार छह दिन तक मनाया जाएगा। ज्योतिषाचार्यों और पंडितों के अनुसार, दीपावली का शुभारंभ धनतेरस से होता है और यह भाई दूज तक मनाया जाता है। इसकी शुरुआत कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी से होती है और शुक्ल पक्ष की द्वितीय तक चलता है।

इस दौरान धनतेरस, नरक चतुर्दशी, दीपावली (मुख्य दिन), गोवर्धन पूजा और भाई दूज मनाए जाते हैं। इस बार यह पांच दिन का न होकर छह दिन का होगा। कृष्णानगर स्थित श्री आशुतोष महादेव मंदिर के पुजारी आशुतोष पांडेय ने बताया कि धनतेरस का त्योहार 18 अक्तूबर को मनाया जाएगा।

कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि की शुरुआत 18 को दोपहर 12:18 बजे से होगी और समापन कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर 19 अक्तूबर को दोपहर 1:51 बजे होगा। छोटी दीपावली 19 अक्तूबर को मनाई जाएगी।

इस दिन नरक चतुर्दशी/काली चौदस और हनुमान जी की पूजा होती है। इसकी शुरुआत चतुर्दशी तिथि पर 19 को 1:51 बजे होगी और समापन 20 अक्तूबर को दोपहर 3:44 बजे होगा।

ज्योतिषाचार्य एसएस नागपाल ने बताया कि दीपावली 20 अक्तूबर को मनाई जाएगी। कार्तिक माह की अमावस्या तिथि की शुरुआत 20 को 3:44 बजे से लेकर 21 अक्तूबर को 5:54 बजे तक रहेगी। दान-श्राद्ध की भौमवती अमावस्या 21 अक्तूबर को है।

अन्नकूट गोवर्धन पूजा का त्योहार 22 अक्टूबर को मनाया जाएगा। कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि की शुरुआत 21 को शाम 05:54 बजे से शुरू होकर 22 अक्तूबर को रात 8:16 बजे तक रहेगी। भाई दूज का पर्व 23 अक्तूबर को मनाया जाएगा। कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि की शुरुआत 22 को रात 08:16 बजे होगी और 23 अक्तूबर 10:46 बजे समापन होगा।

दिवाली पर इस बार बाजार में खास लड्डू

एक पीस की कीमत 1500 रुपये, मुंह में घोलेगा सोने की मिठास

आगरा , एजेंसी। इस दिवाली पर सोने की परत वाला पिस्ता लड्डू आपके मुंह में मिठास घोलने के लिए तैयार है। लेकिन इस लड्डू को खाने के लिए आपको अपनी जेब थोड़ी ढीली करनी पड़ेगी। करीब 30 ग्राम वजन वाले एक लड्डू के लिए आपको लगभग 1500 रुपये रुपये खर्च करने होंगे। और एक किलो लड्डू के डिब्बे की कीमत होगी करीब 50 हजार रुपये। इसी प्रकार अगर चिलगोजे के एक किलो लड्डू के लिए आपको 7000 रुपये चुकाने होंगे।

इस दिवाली मिठाई विक्रेताओं ने शहरवासियों के मुंह में शाही स्वाद घोलने की तैयारी कर ली है। काजू कतली, बादाम बर्फी, अंजीर रोल से आगे बढ़कर अब मिठाई का यह सफर चिलगोजे तक आ पहुंचा है। मिठाई को प्रीमियम बनाने के लिए शुद्ध सोने की परत चढ़ाई जा रही है, जिससे एक-एक पीस की कीमत करीब 1500 रुपये तक बढ़ जाती है। इसके अलावा अखरोट लौंज और पिस्ता बर्फी की कीमत 3000 से 4000 रुपये किलो तक है।

भगत हलवाई शास्त्रीपुरम के संचालक राजकुमार भगत बताते हैं कि ग्राहक किसी भी मि ठाई पर ऑन डिमांड सोने की परत चढ़वा सकते हैं। इसके बाद मिठाई की कीमत में प्रति पीस 1500 रुपये की वृद्धि हो जाएगी है। बताते हैं सोने की परत चढ़े चार पिस्ता लड्डुओं वाले एक बॉक्स के लिए आपको 6000 रुपये चुकाने होंगे। वहीं एक किलो मिठाई के लिए करीब 50 हजार।

ड्राईफ्रूट और पैक्ड फूड के गिफ्ट हैंपर भी हैं डिमांड में

मिठाइयों के अलावा लोग दिवाली पर मेहमानों को गिफ्ट हैंपर देना भी पसंद करते हैं। इसके लिए ड्राई फ्रूट, विदेशी नट्स, चॉकलेट, सॉफ्ट ड्रिंक, कोल्ड ड्रिंक व अन्य पैक्ड फूड के साथ गिफ्ट हैंपर भी तैयार करवा रहे हैं। इनकी कीमत 1500 से 5000 के मध्य है।

पेठे के साथ दूध की स्वाद

पंछी पेठा के संचालक अमित गोयल ने बताया कि दिवाली पर ग्राहकों के लिए पेठे की खास वैरायटी तैयार की गई हैं। इसमें डायबिटीज के मरीजों के लिए शुगर लेस पेठा खास है। इसके अलावा गुजिया पेठा, रोज काजू गुजिया पेठा, कैस्यूकोनट कैरेमल पेठा, ताज मिल्क लड्डू और चौकोड़ी ग्लोरी पेठा शामिल है। फ्लेवर्ड पेठे में उनके नाम के अनुसार गुलाब, काजू, केरेमल और दूध का स्वाद महसूस होगा।

आदमखोर भेड़िए को वन विभाग ने किया शूट, गोली लगने से हुई मौत, इलाके में बना हुआ था आतंक

लखनऊ, एजेंसी। बहराइच जिले के कैसरगंज तहसील के फखरपुर ब्लॉक में स्थित मंझारा तौकली में आतंक का पर्याय बने आदमखोर भेड़िए को आज सुबह वन विभाग के शूटर ने शूट कर दिया जिसके चलते उसकी मौत हो गई। मृतक भेड़िए का शव को मुख्यालय स्थित रेंज कार्यालय लाया गया है। जहां पर परीक्षण के बाद उसका अंतिम संस्कार किया जायेगा ।

मझरा तौकली इलाके में स्थित भिरगू पुरवा ग्राम में बुधवार की देर रात ग्रामीणों ने इलाके में कांबिंग कर रही वन विभाग की टीम को भेड़िया होने की जानकारी दी । जिसके बाद प्रभागीय बनाधिकारी राम सिंह यादव व डीएफओ गाजीपुर अजीत सिंह टीम के साथ मौके पर पहुंच उसकी तलाश शुरू कर दी । टीम की ओर से उसे घेर कर पकड़ने का प्रयास किया गया लेकिन पकड़ में न आने पर सुबह करीब चार बजे शूटर ने भेड़िए को गोली मार दी जिसके चलते उसकी मौत हो गई ।

वनाधिकारी राम सिंह यादव ने बताया कि इस इलाके में एक माह से अधिक समय से भेड़िए के हमले में छह लोगों की मौत हुई है वहीं करीब 29 लोग लोग घायल हुए हैं। आज सुबह एक भेड़िए को शूट किया गया है । इसके पहले 28 सितंबर को भी एक भेड़िए को मारा गया था। इसके अलावा तीस सितम्बर व 11 अगस्त को भी दो भेड़िए को गोली मार गई थी वो मिसिंग हैं।

एलडीए ने गांवों में ड्रोन से खोज निकाले 3,232 अवैध निर्माण, 352 गांवों में किया जा रहा सर्वे

लखनऊ, एजेंसी। एलडीए के इंजीनियरों ने बिल्डरों से सांठगांठ कर जो अवैध निर्माण और प्लॉटिंग छुपा रखे थे, उन्हें ड्रोन के जरिये खोज निकाला गया है। एलडीए वीसी की पहल पर पिछले छह महीने में ड्रोन सर्वे के जरिये 3,232 अवैध निर्माण चिह्नित किए गए हैं। इनमें से 470 को ध्वस्त किया गया और 830 को सील किया गया है। एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने बताया कि अवैध निर्माणों का पता लगाने के लिए एलडीए के अंतर्गत आने वाले 352 गांवों में ड्रोन सर्वे कराया जा रहा है, जिसमें 181 गांवों का सर्वे पूरा हो चुका है।

इन गांवों में 3,232 अवैध निर्माण पाए गए हैं। इनमें अवैध प्लॉटिंग कर बसाई जा रहीं कॉलोनियां, कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स और बहुमंजिला इमारतें हैं। सर्वे के बाद संबंधित इलाके के इंजीनियर से भी रिपोर्ट ली जाती है। इससे यह भी पता चल जाता है कि इंजीनियर ने अवैध निर्माण को छुपाया था या नहीं। जो अवैध निर्माण सामने

आए हैं उन्हें सील और ध्वस्त किया जा रहा है। आवासीय जमीन पर पूरा कॉमर्शियल निर्माण नहीं होगा वैधः एलडीए वीसी ने बताया कि नई नीति में आवासीय जमीन पर एक सीमा तक ही कॉमर्शियल निर्माण की अनुमति है। पूरी जमीन पर कॉमर्शियल निर्माण नहीं किया जा सकता। अलीगंज सेक्टर के, आई, जे, संगम चौराहा के पास, केंद्रीय भवन के पास और चंद्रलोक कॉलोनी, मंदिर मार्ग महानगर आवासीय पर व्यावसायिक निर्माण कराए जाने की शिकायतें हैं। इनकी जांच होगी और जिम्मेदारों पर कार्रवाई भी होगी।

नई नीति में कुछ हद तक वैध हो सकते हैं अवैध निर्माण : एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने बताया कि नई भवन निर्माण उपविधि में अवैध निर्माणों को भी एक तय सीमा तक वैध करने का प्रावधान किया गया है। इसके लिए निर्माण कराने वाले को एलडीए से शमन मानचित्र पास कराना होगा। उसके लिए तय फीस जमा करनी होगी। जो लोग शमन मानचित्र पास नहीं कराएंगे उनके निर्माण ध्वस्त किए जाएंगे। नई नीति आने के बाद अब काफी लोगों ने शमन मानचित्र पास कराए हैं। इस साल शमन मानचित्र से 42 करोड़ रुपये शुल्क जमा हुआ है। मार्च तक 300 करोड़ शुल्क जमा कराने का लक्ष्य है।

ताज पर फिदा 23 देशों की सुंदरियां, एक ही शब्द निकला...इट्स ब्यूटीफुल वाह ताज !

आगरा , एजेंसी। मिस टीन यूनिवर्स 2025 की फाइनलिस्ट 23 देशों की विश्व सुंदरियों ने बुधवार को ताजमहल का दीदार किया। ग्रांड फिनाले से पहले सुंदरियों ने ताजमहल में फोटो सेशन कराया और ताजमहल की खूबसूरती को निहारा। दुनिया के सातवें अजूबे ताजमहल के रॉयल गेट से प्रवेश करते ही सुंदरियों ने ताज को प्रकृति का बेमिसाल नमूना बताया और मुंह से निकला इट्स ब्यूटीफुल वाह ताज!

तमाम सुंदरियां ताज की एक झलक पाते ही उछल पड़ी और ताज को निहारती रही। इस दौरान पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए। सुंदरियों ने जमकर फोटोग्राफी की और गाइड से ताजमहल के इतिहास, वास्तुकला और पच्चीकारी में प्रयुक्त किए गए बेशकीमती पत्थरों के साथ रखरखाव के बारे में भी चर्चा की। यमुना के साथ ही शाहजहां और मुमताज की असली कब्र के बारे में भी जानकारी ली।

मीडिया से बातचीत में मिस टीन अर्थ-2025 की भारतीय प्रतिभागी खुशी यादव ने कहा कि ये प्रकृति का एक अद्भूत नमूना है, ताज के दीदार के बाद

मैं आश्चर्यचकित हूं। प्यार के इस अद्भूत नमूने को जिंदगी में एक बार हर इंसान को जरूर देखना चहिए। अपने वर्ल्ड टूर पे कई देश घूमने के बाद ताज को देखा लेकिन दावे के साथ कह सकती हूं ये दुनियाभर में अद्भुत कलाकारी व प्रेम का एक अनोखा नमूना है।

शनिवार को जयपुर में है ग्रांड फिनाले : जन संपर्क अधिकारी सर्वेश कश्यप ने बताया कि 18 अक्तूबर को जयपुर में ग्रांड फिनाले आयोजित किया जाएगा। इसमें जर्मनी की चियारा सोफी, भारत की कैरिसा बोपन्ना, बहामास की तात्याना वीवर, चिली की कियारा फुएंतेल्बा, कोलंबिया की गैब्रिएला एस्पिनोसा, कोस्टा रिका की मिया निकोल ब्राउन, क्यूबा की डेनिएला कैसानोवा, डोमिककन गणराज्य की मैडिसन ओलिवेरा, इंडोनेशिया की बेल्वा एंजेलिन गीता, मेक्सिको की लिजबेथ लेडेज्मा, मोरक्को की मलक खद्दली, नेपाल की जैस्मीन ठाकुरी, नीदरलैंड की इसाबेला लोबेटन, फिलीपींस की चियारा गॉट्सचॉक, सिएरा की लिलिया सिरिण्क, स्पेन की लुइसाना मैथ्यूस, तुर्क की जुली लुइस, युगांडा की टायरा अबोक, इंग्लैंड की ब्रुक अयेर, अमेरिका की सबरीना फरुक्टस, वेनेजुएला की अमीरा मोरेनो, जिम्बाब्वे की कीमती इसेकी और केन्या की आइवी हिस्सा लेंगी।

अपार्टमेंट की 7वीं मंजिल से गिरी 5 साल की बच्ची, मौत से परिजनों में कोहराम

सऊदी अरब में इंजीनियर हैं पिता

आगरा, एजेंसी। आगरा के सिकंदरा स्थित रामरघु आनंदा फेज-2 अपार्टमेंट की सातवीं मंजिल से गिरकर बुधवार सुबह पांच साल की बच्ची अनाहिता की मौत हो गई। गार्ड ने पुलिस को सूचना दी। बच्ची के पिता सऊदी अरब में इंजीनियर हैं। मां घर से मार्निंग वॉक पर निकल रही थीं। फिलहाल सीसीटीवी कैमरों के फुटेज से कुछ खास जानकारी हाथ नहीं लगी है।

बुलंदशहर, खुर्जा स्थित मुरारी नगर निवासी मनोज प्रताप सिंह का परिवार हाल में राम रघु आनंदा फेज-2 अपार्टमेंट में रह रहा है। पत्नी धारणा सिंह सैंया के एक विद्यालय में शिक्षक हैं। उनका एक ढाई साल का बेटा और बेटी थी। मनोज प्रताप सऊदी अरब की रिफाइनरी में इंजीनियर हैं। बुधवार सुबह करीब 4:15 बजे बेटी अनाहिता सातवीं मंजिल पर फ्लैट की बालकनी से गिर गई। बच्ची की चीख सुन चौकीदार दौड़े। अपार्टमेंट के लोग एकत्रित हो गए। बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर थाना सिकंदरा पुलिस के साथ एसीपी संजय महाडिक अक्षय और डीसीपी सोनम कुमार पहुंचे।

बच्ची के गिरने वाली जगह का मुआयना किया गया। उन्होंने कुछ लोगों से पूछताछ कर जानना चाहा कि इतनी जल्दी सुबह बच्ची बालकनी पर कैसे आई। कैसे वहां से गिर गई। मां ने पुलिस को बताया कि वह सुबह घर से मार्निंग वॉक पर निकली थीं। बच्ची बालकनी में रोते हुए आ गई और अचानक गिर गई।

एसीपी संजय महाडिक अक्षय ने बताया कि बच्ची के गिरने की सूचना पर पुलिस गई थी। हर तरह से बच्ची के गिरने की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम कराया है। उसकी रिपोर्ट आने के बाद मौत की वजह स्पष्ट हो जाएगी।

कृषक समृद्धि योजना, दो लाभार्थियों को 11.80 लाख मिलेगें

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में मिनी नंदनी कृषक समृद्धि योजना की प्रगति एवं कार्य योजना की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

जिलाधिकारी ने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए कि योजना के अंतर्गत चयनित लाभार्थियों को समयबद्ध ढंग से सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि अधिक से अधिक कृषक योजना का लाभ उठा सकें। उन्होंने कहा कि पशुपालन विभाग एवं कृषि विभाग समन्वय स्थापित कर योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता व गति लाएं। जिलाधिकारी ने अब तक की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों से लक्ष्य के सापेक्ष उपलब्धियों का ब्यौरा मांगा। उन्होंने लाभार्थी चयन, इकाई स्थापना, वित्तीय सहायता वितरण एवं निरीक्षण की स्थिति के बारे में जानकारी ली।

सीवीओ डॉ0 दिवाकर त्रिपाठी ने बताया कि मिनी नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना के अन्तर्गत पूजा शर्मा पत्नी भुवनेश निवासी पिसावली एवं रजनी शर्मा पत्नी योगेन्द्र उपाध्याय निवासी खेडिया पाताल का चयन ई लॉटरी को माध्यम से किया गया है।

चयनोपरान्त दोनों लाभार्थियों द्वारा तैयार भवन के फोटोग्राफ्स एवं बिल उपलब्ध कराये जाने पर मिशन निदेशक दुग्ध आयुक्त द्वारा सब्सिडी जनपदीय खाते में प्राप्त हो गई है, जिसका हश्तांतरण जनपदीय सत्यापन समिति द्वारा किया जाना है। इस पर जिलाधिकारी ने सैद्धान्तिक स्वीकृति प्रदान करते हुए सीवीओ को निर्देशित किया कि प्रत्येक लाभार्थी के खाते में 5 लाख 90 हजार की धनराशि हश्तांतरित कर दी जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी प्रखर कुमार सिंह, एमपीसी सहज मिल्क प्रो० कम्पनी कैम्प, एफपीओ रूरल गोल्ड फार्मर्स, उप दुग्ध शाला विकास अधिकारी, सामान्य प्रबन्धक दुग्ध संघ, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी, मुख्य कोषाधिकारी एवं सहायक निदेश सूचना उपस्थित रहे।

निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए टीम सक्रिय : डीएम

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

त्योहारों पर कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए जिला मजिस्ट्रेट संजीव रंजन एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में बैठक आहूत की गई।

जिला मजिस्ट्रेट ने कहा कि अक्टूबर एवं नवम्बर त्योहारों के माह हैं। सभी लोग हर्षोल्लास के साथ त्योहार मनाएं। किसी को कानून से खिलवाड़ नहीं करने दिया जाएगा। सभी थानाध्यक्ष को निर्देशित किया गया कि थानावार शांति समितियों की बैठक कर लें।

अराजक तत्वों को पाबंद कर उन पर कड़ी निगाह रखी जाए। डीएम ने सीएमओ को निर्देशित किया कि जिले के सभी चिकित्सालयों में आपातकालीन चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध रहें। समय रहते बर्न वार्डो को तैयार कर लिया जाए। दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता रहे। चिकित्सालय आये मरीज को तत्काल आवश्यक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए। विद्युत विभाग को निर्देशित किया गया कि त्योहार पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। यदि कहीं कोई फाल्ट या निर्बाध आपूर्ति में व्यवधान उत्पन्न होने पर जल्द से जल्द दुरुश्त कराया जाए, इसके लिए प्रत्येक विद्युत स्टेशन पर सक्रिय टीम रहनी चाहिए । नगर निगम एवं अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वह साफ सफाई का विशेष ध्यान रखें। जल भराव की समस्याओं को जल्द से जल्द दूर किया जाए। आरएम रोडवेज को निर्देशित किया गया कि शहर के अंदर बसों का प्रवेश न होने दिया जाए। इसके लिए कर्मचारियों की प्रभावी तैनाती करने के निर्देश दिए।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने कहा कि सभी पटाखों की दुकानें निर्धारित समय पर बन्द होनी चाहिए। प्रत्येक अस्थायी पटाखों के बाजार में इस बात का विशेष ध्यान रखें कि यदि कोई अप्रिय घटना घटित होती है तो जान-माल की सुरक्षा किस प्रकार से की जाए, इस सबन्ध में कार्ययोजना बना ली जाए। बैठक में उपस्थित हुए पटाखा व्यवसायी प्रदीप गंगा एवं अन्य ने डीएम-एसएसपी को आश्वश्त किया किया कि बैठक में दिए गए निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन किया जाएगा। समय से पटाखा बाजार बंद होंगे।

इस अवसर पर सीडीओ प्रखर कुमार सिंह, एडीएम सिटी अमित कुमार भट्ट, एसपी सिटी मृगांक पाठक, एसपी ग्रामीण अमृत जैन, एसपी यातायात प्रवीण कुमार, एसपी अपराध ममता कुरील, सीएफओ मुकेश कुमार, नगर मजिस्ट्रेट अतुल गुप्ता सहित सभी पुलिस क्षेत्राधिकारी एवं थानाध्यक्ष समेत विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

नेपाल और ओमान ने टी20 विश्व कप 2026 में जगह बनाई

मस्कट, एजेंसी। नेपाल और ओमान ने एशिया/पूर्वी एशिया-प्रशांत क्वालीफायर से आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में अपनी जगह बना ली है। यूएई की समोआ पर जीत के साथ ही नेपाल और ओमान की विश्व कप में जगह सुनिश्चित हो गई। ग्रुप चरण में अपराजित नेपाल ने सुपर सिक्स में दो अंक हासिल किए और यूएई और कतर के खिलाफ दो अंतिम गेंद वाले रोमांचक मुकाबले जीते। एक दिन बाद, रोहित पौडेल की टीम ने एक और शानदार प्रदर्शन किया।

148 रनों का बचाव करते हुए, नेपाल मुकाबले से बाहर लग रहा था क्योंकि कतर 12 ओवर में 97/1 पर पहुँच गया था, लेकिन संदीप लामिछाने के 5-18 के शानदार स्पेल ने कहानी पलट दी। लेग स्पिनर की धारदार गेंदबाजी ने कतर को 10 रनों से हरा दिया, जिससे नेपाल को एक यादगार जीत मिली और 2026 टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया। ओमान ने नेपाल की निरंतरता को दोहराया, सुपर सिक्स चरण में भी दो अंक हासिल किए। उन्होंने कतर के खिलाफ 172 रनों का आराम से बचाव किया और फिर यूएई के खिलाफ एक कड़ा मुकाबला जीता। इस बीच, समोआ पर शानदार जीत के बाद यूएई अंतिम क्वालीफिकेशन स्थान के लिए दावेदारी में बना हुआ है, जिससे उसे 16 अक्टूबर को जापान के खिलाफ एक अहम मुकाबले में जगह बनाने में मदद मिलेगी। अमीराती टीम फिलहाल तीसरे स्थान पर है, जबकि कतर के पास अभी भी एक मौका है। उसे समोआ को हराना होगा, अन्य परिणामों की उम्मीद करनी होगी, और नेट रन रेट के आधार पर प्रतियोगिता में आगे निकलना होगा। ग्रुप चरण में पापुआ न्यू गिनी को हराने के बावजूद, समोआ लगातार हार के बाद बाहर हो गया है।

वेक्टर एक्स बना आईएसबीए वीमेंस ब्लाइंड फुटबॉल वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025 का एथलीट किट पार्टनर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के अग्रणी स्पोर्ट्स ब्रांड, वेक्टर एक्स ने समावेशी खेलों को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को जारी रखते हुए, इंडियन ब्लाइंड फुटबॉल फेडरेशन (आईबीएफएफ) के साथ साझेदारी की है। कंपनी आईएसबीए वीमेंस ब्लाइंड फुटबॉल वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025 के लिए अब आधिकारिक एथलीट किट पार्टनर है।

इस साझेदारी को खास बनाता है वेक्टर एक्स का आईबीएफएफ के साथ चल रहा सहयोग, जिसके तहत कंपनी ने साउंड बॉल तैयार की है। यह एक ऐसी अनोखी फुटबॉल है, जो विशेष रूप से दृष्टिबाधित खिलाड़ियों के लिए बनाई गई है। इस बॉल में आवाज़ वाले उपकरण और लो-बाउंस ब्लैडर लगाए गए हैं, जिससे खिलाड़ी गेंद की आवाज़ के जरिए खेल को समझ और नियंत्रित कर सकते हैं। इस नवाचार ने देशभर के दृष्टिबाधित फुटबॉल खिलाड़ियों के लिए खेल को अधिक सुलभ और रोमांचक बना दिया है।

वर्ष 2016 में स्थापित आईबीएफएफ भारत में ब्लाइंड फुटबॉल की राष्ट्रीय शासी संस्था है और पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया के अंतर्गत काम करती है। इस संस्था ने देश के 24 राज्यों में खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने में अहम् भूमिका निभाई है और अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट्स में भारत की मौजूदगी को मजबूत बनाया है। आईबीएफएफ के डायरेक्टर सुनील मैथ्यू ने कहा, ब्लाइंड फुटबॉल सिर्फ एक खेल नहीं, बल्कि एक आंदोलन है। वेक्टर एक्स हमारे लिए सिर्फ एक सहयोगी नहीं, बल्कि ऐसा साथी है, जो हमारे खिलाड़ियों का साथ देता है और उनके लिए लगातार नवाचार करता है।

वेक्टर एक्स के मार्केटिंग हेड, बलजिंदर पाल सिंह ने कहा, हर खिलाड़ी उस उपकरण का हकदार है, जो उसे ताकत दे, प्रेरित करे और उसके प्रदर्शन को बेहतर बनाए। वेक्टर एक्स साउंड बॉल खिलाड़ियों को आवाज़ के सहारे खेलने की सुविधा देता है, जिससे मैदान एक ऐसी सिम्फनी बन जाता है जिसमें हुनर, हिम्मत और सटीकता की झंकार होती है। वेक्टर एक्स और आईबीएफएफ मिलकर यह साबित कर रहे हैं कि समावेशिता कोई विकल्प नहीं, बल्कि भविष्य है। यह साझेदारी ब्रांड्स, फेडरेशंस और प्रशंसकों के लिए एक संदेश है कि यह खूबसूरत खेल सबका है।

रंजी ट्रॉफी:

वैभव सूर्यवंशी बुरी तरह फ्लॉप

● ईशान किशन ने ठोकी सेंचुरी, पहले दिन मोहम्मद शमी भी चमके

नई दिल्ली, एजेंसी। रणजी ट्रॉफी 2025-26 सीजन के मुकाबले शुरू हो गए हैं. पहला दिन अधिकांश टीमों के बल्लेबाजों के लिए कठिन रहा, लेकिन ईशान किशन ने शतक लगाया, देवदत्त पडिक्कल सिर्फ 4 रन से शतक से चूक गए. वहीं इंग्लैंड टूर पर फेल रहे करुण नायर ने 73 रनों की पारी खेली. इसी बीच सबकी नजरें 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी पर भी थीं, जिन्हें सीजन शुरू होने से पूर्व बिहार टीम का उपकप्तान बनाया गया था. वो सीजन के पहले मैच में सिर्फ 14 रन बनाकर आउट हो गए.

वैभव सूर्यवंशी हुए फ्लॉप

बिहार के गेंदबाजों ने अरुणाचल प्रदेश की पहली पारी सिर्फ 105 रन के स्कोर पर समेट दी थी. बिहार के लिए शाकिब हुसैन ने 6 विकेट झटके. बिहार के लिए वैभव सूर्यवंशी और अर्णव किशोर ओपनिंग करने आए. वैभव ने शुरुआत में ही ऐसे बल्ला घुमाया, जैसे वो कोई टी20 मैच खेल रहे हों. वो सिर्फ 4 गेंदों में 14 रन बना चुके थे, लेकिन यब निया की गेंद पर क्लीन बोल्ड हो गए.

सूर्यवंशी चाहे जल्दी आउट हो गए हों, लेकिन बिहार मजबूत स्थिति में पहुंच गई है. अर्णव किशोर ने 52 रन बनाए, जबकि आयुष लोहारुका 155 रन बनाकर खेल रहे हैं, दूसरी ओर कप्तान साकिबुल गनी 56 रन बनाकर नाबाद लौटे. पहले दिन स्टंप्स तक बिहार 2 विकेट के नुकसान पर 283 रन बना चुकी है और उसकी कुल बढ़त 178 रनों की हो गई है.

ईशान किशन का शतक

तमिलनाडु के खिलाफ मैच में झारखंड ने बल्लेबाजी में दम दिखाया. झारखंड की टीम पहले दिन 6 विकेट खो कर 307 रन बना चुकी है. उनकी टीम 157 रन पर 6 विकेट गंवा चुकी थी, लेकिन किशन ने कप्तानी पारी खेलते हुए

125 रन बनाए और वो अब भी क्रीज पर डटे हुए हैं. मोहम्मद शमी भी बंगाल के लिए खेल रहे हैं, जिन्होंने उत्तराखंड के खिलाफ मैच में 14.5 ओवरों में 37 रन देकर 3 विकेट चटकाए. बताते चलें कि शमी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के बाद से ही टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं.

पाकिस्तानी टीम के ड्रेसिंग रूम में पहुंच गया फैन, बाबर आजम से मिलने के लिए तोड़ी सिक्योरिटी

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान और साउथ अफ्रीका के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेला गया. इस मुकाबले में पाकिस्तानी टीम ने 93 रनों से जीत हासिल की.

पाकिस्तान ने साउथ अफ्रीका को जीत के लिए 277 रनों का टारगेट दिया, लेकिन उसकी पूरी टीम दूसरी इनिंग्स में 183 रनों पर सिमट गई. पाकिस्तानी टीम के पूर्व कप्तान बाबर आजम का 15 अक्टूबर (बुधवार) को 31वां जन्मदिन भी था, ऐसे में ये जीत उनके लिए किसी तोहफे से कम नहीं रही. पाकिस्तानी टीम की जीत के जश्न के बीच गद्दाफी स्टेडियम में हुई अप्रत्याशित घटना ने सबको चौंका दिया. एक युवा फैन सुरक्षा घेरा तोड़कर बाबर से मिलने ड्रेसिंग रूम तक पहुँच गया. स्टेडियम के वीडियो फुटेज में दिखा कि माजिद खान (फैन का नाम) एनक्लोज से चढ़कर खिलाड़ियों की ओर बढ़ा. कोचिंग स्टाफ ने तुरंत इस चीज को नोटिस किया और सिक्योरिटी टीम को अलर्ट किया. सुरक्षाकर्मियों ने फौरन मौके पर पहुंचकर उस फैन को रोक लिया.

हालांकि वो फैन बार-बार बाबर आजम से मिलने की गुहार लगाता रहा, लेकिन सुरक्षा कर्मियों ने उसे स्टेडियम से बाहर ले जाकर छोड़ दिया. मैदान पर मौजूद चश्मदीदों ने बताया कि माजिद खान बहुत भावुक और उत्साहित थाय उसका इरादा सिर्फ अपने पसंदीदा खिलाड़ी बाबर आजम को जन्मदिन की शुभकामनाएं देना था. इस घटना ने गद्दाफी स्टेडियम की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं, क्योंकि इतनी आसानी से किसी फैन का खिलाड़ियों के एरिया में पहुंच जाना बड़ी चूक थी.

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रोहित रच सकते हैं इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और अपने जमाने के विस्फोटक बल्लेबाज शाहिद अफरीदी, जो दुनिया भर में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए मशहूर रहे, अब भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के निशाने पर हैं। आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रोहित के पास इतिहास रचने का सुनहरा मौका है।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 19 से 25 अक्टूबर तक होने वाली तीन वनडे मैचों की सीरीज में रोहित सलामी बल्लेबाज के रूप में मैदान पर उतरेंगे। यदि वे इस सीरीज में 8 छक्के लगा देते हैं, तो वे शाहिद अफरीदी के लंबे समय से कायम रिकॉर्ड को तोड़कर वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। रोहित शर्मा ने अपने वनडे करियर में 273 मैचों की 265 पारियों में 11,168 रन बनाए हैं, जिसमें 264 रनों की शानदार पारी भी शामिल है। उनके नाम 32 शतक और 58 अर्धशतक हैं। रोहित ने 1,045 चौके और 344 छक्के जड़े हैं, जिसके साथ वे वर्तमान में वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में शाहिद अफरीदी के बाद दूसरे स्थान पर हैं। रोहित ने अपने करियर में तीन दोहरे शतक भी बनाए हैं, जो अपने आप में एक विश्व रिकॉर्ड है। वहीं, पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शाहिद अफरीदी ने 398 वनडे मैचों की 369 पारियों में 8,064 रन बनाए। उनके खाते में 6 शतक, 39 अर्धशतक, 730 चौके और 351 छक्के दर्ज हैं।

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रोहित का बल्ला चला तो पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर का यह रिकॉर्ड ध्वस्त हो सकता है। भारतीय फैंस भी चाहेंगे कि रोहित इस दौरे पर पाकिस्तानी क्रिकेटर का रिकॉर्ड ध्वस्त कर शीर्ष पर पहुंचे। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच यह वनडे सीरीज 19 अक्टूबर को पर्थ स्टेडियम में पहले मैच के साथ शुरू होगी। इसके बाद 23 अक्टूबर को एडिलेड ओवल में दूसरा और 25 अक्टूबर को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में तीसरा और अंतिम वनडे खेला जाएगा। इस बार भारतीय टीम नए वनडे कप्तान शुभमन गिल के युवा नेतृत्व में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उतरेगी।

गिल, जो अब तक टेस्ट टीम की कप्तानी संभाल रहे थे, अब वनडे टीम की कमान भी संभालेंगे। रोहित शर्मा और विराट कोहली की करीब छह महीने बाद वनडे टीम में वापसी से भारतीय टीम को मजबूती मिली है। इन दोनों अनुभवी खिलाड़ियों की मौजूदगी से टीम का संतुलन और आत्मविश्वास बढ़ा है। बता दें कि आगामी सीरीज रोहित शर्मा के लिए न केवल एक रिकॉर्ड तोड़ने का मौका है, बल्कि भारतीय टीम के लिए ऑस्ट्रेलिया की सरजमीं पर अपनी बादशाहत साबित करने का भी अवसर है।

टेबल टेनिस:

एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप में चीन का दबदबा, पुरुष और महिला वर्ग के खिताब जीते

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन ने एशियाई टेबल टेनिस में अपना दबदबा फिर साबित करते हुए पुरुष और महिला वर्ग के खिताब जीत लिए। पुरुष टीम ने हांगकांग को 3-0 से हराया जबकि महिला टीम ने जापान को 3-0 से मात दी। चीन ने एशियाई टेबल टेनिस में अपना दबदबा फिर साबित करते हुए पुरुष और महिला वर्ग के खिताब जीत लिए। पुरुष टीम ने हांगकांग को 3-0 से हराया जबकि महिला टीम ने जापान को 3-0 से मात दी।

महिला वर्ग में पहले मुकाबले में दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी वांग मानयु ने 11वीं रैंकिंग वाली होनोका हाशिमोतो को 12-10, 11-3, 11-6, 11-3 से हराया। अगले मैच में सुन यिंगशा ने मीवा हारिमोतो को 11-9, 11-5, 11-7 से मात दी। आखिरी मैच में कुआइ मान ने जापान की हिना हयाता को 8-11, 12-10, 11-6, 11-9 से शिकस्त दी।

पुरुष फाइनल में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी लिन शिडोंग ने वोंग चुन तिंग को 11-8, 11-4, 11-4 से हराकर चीन को शानदार शुरूआत दी। इसके बाद दूसरे नंबर के खिलाड़ी वांग चुकिन ने चान बाल्डविन को 12-10, 11-9, 5-11, 14-12 से हराया। आखिरी मुकाबले में लियांग जिंगकुन ने यिउ कवान गो को 13-11, 11-6, 12-10 से मात दी।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेजबानी के लिए अहमदाबाद का नाम प्रस्तावित

26 नवंबर को होगा फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, कार्यकारी बोर्ड ने आज पुष्टि की है कि वह 2030 शताब्दी कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए अहमदाबाद, भारत को प्रस्तावित मेजबान शहर के रूप में अनुशंसा करेगा। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स के कार्यकारी बोर्ड ने बुधवार को अहमदाबाद को 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी के लिए प्रस्तावित शहर के रूप में सिफारिश की है। अब इस पर अंतिम फैसला 26 नवंबर को ग्लासगो में होने वाली कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स जनरल असेंबली में लिया जाएगा।

अहमदाबाद को मिला समर्थन: भारत को इस बार मेजबानी के लिए नाइजीरिया से प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ा था, लेकिन कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स ने नाइजीरिया की भविष्य की मेजबानी की संभावनाओं को बढ़ाने और उन्हें समर्थन देने की रणनीति बनाने का निर्णय लिया है, जिसमें 2034 के खेलों की संभावित मेजबानी भी शामिल है। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, कार्यकारी बोर्ड ने आज पुष्टि की है कि वह 2030 शताब्दी कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए अहमदाबाद, भारत को प्रस्तावित मेजबान शहर के रूप में अनुशंसा करेगा।

गुजरात का अहमदाबाद अब कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स की पूरी सदस्यता के समक्ष पेश किया जाएगा और अंतिम निर्णय 26 नवंबर को लिया जाएगा। गौरतलब है कि भारत ने इससे पहले 2010 में नई दिल्ली में कॉमनवेल्थ गेम्स का आयोजन हुआ था।

डेनमार्क ओपन 2025:

लक्ष्य सेन और सत्विक-चिराग ने प्री-क्वार्टरफाइनल में बनाई जगह

कोपेनहेगन, एजेंसी। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन और पुरुषों की डबल्स जोड़ी सत्विकसायराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी ने डेनमार्क ओपन 2025 के प्री-क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। लक्ष्य सेन ने आयरलैंड के नाथ गुयेन को 10-21, 21-8, 21-18 से हराया, जबकि सत्विक-चिराग ने स्कॉटलैंड की जोड़ी क्रिस्टोफर और मैथ्यू ग्रिमली को 17-21, 21-11, 21-17 से मात दी। लक्ष्य सेन, जो पेरिस 2024 के सेमीफाइनलिस्ट हैं, ने पहले गेम में धीमी शुरुआत की और 10-21 से हार गए।

लेकिन दूसरे गेम में उन्होंने शानदार वापसी करते हुए केवल 8 पॉइंट्स गंवाए और मैच को निर्णायक गेम तक पहुंचाया। अंतिम गेम में दोनों खिलाड़ियों ने कड़ी टक्कर दी, लेकिन लक्ष्य सेन ने अपने आत्मविश्वास का परिचय देते हुए मैच अपने नाम किया। यह लक्ष्य सेन की नाथ गुयेन के खिलाफ चौथे मैचों में से तीसरी जीत है। पुरुषों की डबल्स में, छठे सीड सत्विक-चिराग ने पहले गेम में हार के बावजूद दूसरे गेम में वापसी की और निर्णायक गेम में शानदार प्रदर्शन कर प्री-क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई।

केन विलियमसन लखनऊ सुपर जायंट्स से जुड़े

आईपीएल 2026 से पहले मिली बड़ी जिम्मेदारी

लखनऊ, एजेंसी। केन विलियमसन इंडियन प्रीमियर लीग में लखनऊ सुपर जायंट्स में रणनीतिक सलाहकार के रूप में शामिल हो गए हैं, टीम के मालिक संजीव गोयनका ने गुरुवार सुबह सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी। फ्रैंचाइज़ी के मालिक गोयनका ने 35 वर्षीय पूर्व न्यूजीलैंड कप्तान के बारे में लिखा, उनका नेतृत्व, रणनीतिक अंतर्दृष्टि, खेल की गहरी समझ और खिलाड़ियों को प्रेरित करने की क्षमता उन्हें टीम के लिए एक अमूल्य योगदान बनाती है।

विलियमसन, जो एसए 20 लीग में डरबन टीम के साथ रहते हुए सुपर जायंट्स फ्रैंचाइजी का हिस्सा रहे हैं. ने आखिरी बार इस साल मार्च में

दुबई में भारत के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में न्यूजीलैंड के लिए खेला था। उन्होंने अभी तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास नहीं लिया है, लेकिन न्यूजीलैंड क्रिकेट के साथ एक आकस्मिक अनुबंध होने के कारण, उनके खेलने की संभावना कम ही है।

आईपीएल के अनुभवी खिलाड़ी होने के बावजूद विलियमसन को पिछले दो सीजन में एक खिलाड़ी के रूप में कुछ खास करने को नहीं मिला है। आईपीएल 2023 में गुजरात टाइटन्स के लिए खेलते हुए उन्हें सीजन के पहले मैच में घुटने में चोट लग गई और फिर वे प्रतियोगिता में आगे नहीं खेल पाए। आईपीएल 2024 में गजरात टाइटन्स के साथ रहते हुए, उन्होंने केवल दो मैच खेले और 27 गेंदों में 27 रन बनाए। आईपीएल 2025 से पहले हुई मेगा नीलामी में उन्हें कोई टीम नहीं मिली। हाल ही में, वह इंग्लैंड में द हंड्रेड में थे। वहां उन्होंने लंदन स्पिरिट के लिए आठ पारियों में 129.93 के स्ट्राइक रेट से 204 रन बनाए। विलियमसन को किसी टीम के सहयोगी स्टाफ का हिस्सा होने का कोई अनुभव नहीं है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनका बहुत सम्मान है। उन्होंने 2019 के एकदिवसीय विश्व कप के फाइनल में न्यूजीलैंड की कप्तानी की और दो साल बाद पहली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीती।